RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 साई पल्लवी के साथ...

वर्ष : 26 अंक : 301 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 22 अक्टूबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

दिल्ली-एनसीआर में ग्रेप-॥ लागू

डीजल जनरेटर पर रोक, दिल्ली में AQI 305 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से पहले दिल्ली-एनसीआर का दम घुटने लगा। दिल्ली से लेकर नोएडा और गाजियाबाद में भी प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में पहुंच गया है। दिल्ली में मंगलवार को एयर क्वालिटी इंडेक्स यानी एक्यूआई 318 दर्ज किया गया है। जबकि जहांगीरपुरी 567 दर्ज हुआ है।

दिल्ली-एनसीआर की खराब होती हवा को देखते हुए ग्रैप-॥ लागू कर दिया गया है। इसके बाद दिल्ली में 15 साल पुरानी पेट्रोल व 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों पर रोक लगा दी गई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) समय समय पर आंकड़े जारी कर रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के देश भर में प्रदूषण जांच के लिए 238 स्टेशन हैं। इसके मुताबिक हनुमानगढ़ में 291, भिवानी में 289, रोहतक में 283, जिंद में 277 समेत 18 सब केंद्रों में एक्यूआई खराब श्रेणी में रहा।

गाजियाबाद की हवा सबसे खराब

वहीं, एनसीआर में दिल्ली के बाद गाजियाबाद की हवा सबसे खराब रही। यहां 257 एक्यूआई दर्ज किया गया। साथ ही, नोएडा में 252, गुरुग्राम में 210, ग्रेटर नोएडा में 183 और फरीदाबाद में 165 एक्यूआई रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि बेहद खराब हवा में लंबे समय तक संपर्क में रहने पर श्वसन संबंधी बीमारी हो सकती है। इसके साथ ही ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) का दूसरा चरण लागू हो गया है। विशेषज्ञों ने कहा कि प्रदूषकों के प्रभावी फैलाव के लिए मौसम संबंधी स्थितियां प्रतिकूल हैं। रात के दौरान शांत हवाएं चल रही है। ऐसे में पराली जलाने जैसे स्रोतों से अतिरिक्त उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता बेहद खराब हो रही है। मंगलवार सुबह आठ बजे से ग्रैप का दूसरा चरण लागू हो गया। इसमें वाहन पार्किंग शुल्क बढ़ाने की सिफारिश की है। वहीं, सीएनजी/इलेक्ट्रिक बस और मेट्रो सेवाओं को बढ़ाना। साथ ही, सर्दियों के दौरान खुले में बायोमास जलाने से बचने के लिए रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन सुरक्षा कर्मचारियों को आवश्यक रूप से इलेक्ट्रिक हीटर उपलब्ध कराएंगे। उधर, ड्यूल फ्यूल या सर्टिफाइड एजेंसी से रेट्रोफिटिंग करवाने वाले 62 किलोवॉट से 800 किलोवॉट तक के जनरेटरों पर रोक नहीं रहेगी। अब तक यह छूट 125 किलोवॉट से 800 किलोवॉट के जनरेटरों के लिए थी।

5 अहम नियम लागू

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि अब जबकि AQI 300 को पार कर गया है, आज से पूरे उत्तर भारत में GRAP-II नियम लागू हो गए हैं। GRAP-II में 5 नई पहल की गई हैं। डीजल जनरेटर को नियंत्रित किया जाएगा। मेट्रो और बसों की फ्रीक्वेंसी बढ़ाई जाएगी। पार्किंग की लागत बढ़ाई जाएगी ताकि लोग आवागमन के लिए अपनी कारों का इस्तेमाल न करें। इसका उद्देश्य धूल और वाहनों से होने वाले प्रदूषण को और कम करना है। हमने दिल्ली एनसीआर में GRAP-II नियमों को बेहतर तरीके से लागू करने के तरीके पर विचार-विमर्श करने के लिए सभी वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई है।

30 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर की तमाम एयरलाइन कंपनियों के विमानों में बम की धमकी मिलने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। सोमवार रात को भी 30 विमानों में बम होने की धमकी दी गई। सूत्रों ने बताया कि इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूत्रों के अनुसार, भारतीय एयरलाइंस द्वारा संचालित 30 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को सोमवार रात (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीआरपीएफ स्कूलों को भी धमकी

देश में विभिन्न सीआरपीएफ स्कूलों को बम की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद पुलिस बल अलर्ट पर है और धमकियों की जांच की जा रही है। जिन स्कूलों को धमकी मिली है, उनमें दो दिल्ली और एक हैदराबाद का स्कूल है। गौरतलब है कि देश में इन दिनों विभिन्न एयरलाइंस भी बम की धमकी मिलने का सिलसिला जारी है। पुलिस ने बताया कि ईमेल के जरिए स्कूल प्रबंधन को ये बम की धमकी मिलीं। गौरतलब है कि ये धमकियां दिल्ली के रोहिणी में स्थित सीआरपीएफ स्कूल की दीवार के पास हुए बम विस्फोट के एक दिन बाद मिली है। इस बम विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ था, लेकिन आसपास की दुकानों और वाहनों को शीशे टूट गए थे। पुलिस इन बम धमकियों की जांच में जुटी है और हाई अलर्ट पर है।

डेंगू के मरीजों की संख्या में इजाफा

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में डेंगू के मामलों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। सोमवार को मलेरिया विभाग ने डेंगू के 15 नए मामलों की पुष्टि की है, जिससे जिले में कुल मरीजों की संख्या 326 तक पहुंच गई है। सभी नए मरीजों का इलाज प्रगति पर है। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मरीजों के घरों और आस-पास के क्षेत्रों में दवाओं का छिड़काव करवा दिया है। साथ ही मरीजों की विस्तृत रिपोर्ट शासन को भेज दी है। आंकड़ों के मुताबिक जनपद में डेंगू के मरीज बढ़ रहे हैं। अक्टूबर में स्थिति और भी गंभीर हुई, जहां 21 अक्टूबर तक 199 नए मरीज सामने आए। चिंताजनक बात यह है कि कुल मरीजों में लगभग 20 प्रतिशत बच्चे हैं।

एक हजार एकड़ में विकसित होगा टेक्सटाइल पार्क : मुख्यमंत्री

सिल्क एक्सपो का किया उद्घाटन

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक नारा हमेशा प्रचलित रहा है, रोटी कपड़ा और मकान। कपड़ा जीवन की आवश्यकता है और किसान की आमदनी बढ़ाने के साथ रोजगार का सशक्त माध्यम है। यूपी की प्रगति पहले की तुलना में संतोषजनक हो सकती है लेकिन यूपी की संभावनाओं को देखते हुए अपर्याप्त है। सिल्क एक्सपो भी इसका माध्यम बने इसलिए आह्वान करूंगा। मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को लखनऊ के इंदिरानगर में सिल्क एक्सपो के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

घर में आया बनकर चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने घर में आया बनकर चोरी करने वाली 1 महिला को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी किये माल के नकद 58500 रूपये, लेडीज पर्स व अन्य सामान बरामद हुआ है। थाना सेक्टर-20 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि एक महिला घर में काम मांगने के बहाने आई और पर्स चोरी करके फरार हो गई। मामले की जांच कर रही पुलिस (शेष पृष्ठ-3 पर)

एटीएम तोड़ने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर पुलिस ने पिछले दिनों देवला गांव में एक्सिस बैंक व एचडीएफसी बैंक के एटीएम को तोड़ने का प्रयास करने वाले बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा मैट्रो डिपो गोलचक्कर पर चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम द्वारा एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रूकने का इशारा किया गया। जिस पर मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त ने रुकने के बजाय भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम द्वारा की गयी जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान सुनील पुत्र धनवीर निवासी ग्राम कठहरा, थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर के रुप में हुई है। बदमाश के कब्जे से एक मोटरसाइकिल पल्सर व एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस 315 बोर व (शेष पृष्ठ-3 पर)

'यूपी सरकार जोखिम लेना चाहती है तो उनकी मर्जी'

कोर्ट में यूपी सरकार बोली, कल तक नहीं चलेगा बुल्डोजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहराइच हिंसा के आरोपितों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में बुलडोजर एक्शन के खिलाफ याचिका दायर की गई। जिस पर सर्वोच्च न्यायालय बुधवार को सुनवाई करने को तैयार हो गया। याचिकाकर्ताओं के वकील सीयू सिंह ने न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष बहराइच में बुलडोजर एक्शन पर तत्काल सुनवाई की मांग की।

वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि तीनों आरोपितों को उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से मकान को गिराने का नोटिस जारी किया गया है। नोटिस का जवाब दाखिल करने के लिए राज्य सरकार ने उन्हें (शेष पृष्ठ-3 पर)

सरकार ने दिया आश्वासन

उत्तर प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को आश्वासन दिया कि राज्य में 13 अक्टूबर को हुई बहराइच हिंसा में कथित रूप से शामिल लोगों की कुछ इमारतों के खिलाफ जारी किए गए ध्वस्तीकरण नोटिस पर अधिकारी कल तक कोई कार्रवाई नहीं करेंगे।

उप मुख्यमंत्री से मिले फोनरवा के चेयरमैन

जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं से कराया अवगत

नोएडा (चेतना मंच)। बदलते मौसम में बढ़ रही बीमारियों के मद्देनजर सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में रोगियों के इलाज में हो रही अनियमितता तथा दुर्व्यवस्था को लेकर फोनरवा काफी गंभीर है। इसी को लेकर फोनरवा यानी फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजीडेंटस वेलफेयर एसोसिएशन के चेयरमैन योगेन्द्र शर्मा ने प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से लखनऊ स्थित उनके आवास में जाकर मुलाकात की। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान योगेन्द्र शर्मा ने बृजेश पाठक को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इसी के साथ उन्होंने नोएडा के जिला अस्पताल की वस्तुस्थिति से अवगत कराया। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को यहां रोगियों की बढ़ती भीड़ के मद्देनजर इलाज व रखरखाव में हो रही अव्यवस्थाओं की भी जानकारी दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

31 तक चलेगा भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने जोड़े 18660 से अधिक सदस्य : मनोज गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा का सक्रिय सदस्यता अभियान शुरू हो चुका है और इसके चलते सभी कार्यकर्ता इस अभियान में लगे हुए। भाजपा ने सदस्यता अभियान के जरिए पार्टी में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की मुहिम शुरू की।

इसी के चलते आज नोएडा भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने गौतमबुद्ध नगर सांसद डॉ महेश शर्मा को सक्रिय सदस्य बनाया। डॉ महेश शर्मा के अभी तक 18660 से ज़्यादा सदस्यों को भाजपा से जोड़ दिया है।

इस मौके पर डॉ महेश शर्मा ने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान के साथ जुड़कर एक भारत (शेष पृष्ठ-3 पर)

सत्र 2025-26 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरु
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा

फ़ोन .08750611103

कुप्रथा विद्यमान

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने भारतीय न्याय प्रणाली की अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करते हुए अब न्याय की देवी की मूर्ति की आंखों से काली पट्टी हटा दी गई है। इसके साथ ही मूर्ति की हाथ में तलवार की जगह संविधान ने ले ली है। यह कानून को सर्वद्रष्टा एवं भारतीयता का रंग देने की एक सार्थक एवं समयोचित पहल है। सांकेतिक रूप से देखा जाए तो कुछ महीने पहले लगी न्याय की देवी की नई मूर्ति साफ संदेश दे रही है कि न्याय अंधा नहीं है और वह संविधान के आधार पर काम करता है। इस सराहनीय कदम के बावजूद एक बड़ा सवाल है कि क्या मूर्ति की आंखों से पट्टी हटा देने का असर कानूनी प्रक्रिया पर पड़ेगा? भारत में न्याय प्रणाली पर आम धारणा है कि पुलिस और अदालतें लोगों की जिंदगी को तबाह कर देती हैं, वर्षों लम्बी न्याय प्रक्रिया झेलने के बाद भी लोगों को समुचित न्याय नहीं मिल पाता है। न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है, न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी आदर्श न्याय व्यवस्था में आम व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है। लेकिन यह स्थिति कब बनेगी? क्या न्याय की देवी की मूर्ति में परिवर्तन करने से न्याय प्रक्रिया में कुछ बदलाव हो सकेगा?

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है।

खुली आंखों से समानता के साथ न्याय करने का संदेश देने वाला यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की जजों की लाइब्रेरी में लगी न्याय की देवी की प्रतिमा में हुआ है। इस प्रतिमा में न्याय की देवी को भारतीय वेषभूषा में दर्शाया गया है। वह साड़ी में दर्शाई गई हैं। सिर पर सुंदर का मुकुट भी है। माथे पर बिंदी, कान और गले में पारंपरिक आभूषण भी नजर आ रहे हैं। जो प्रतीकात्मकता में बदलाव का संकेत है और भारत में न्याय की उभरती भावना को दर्शाता है। लेकिन नई प्रतिमा जिन मूल्यों एवं मानकों की ओर इशारा कर रही है, क्या उसे समझने एवं देखने की हमारी तैयारी है? अगर इस प्रतीकात्मक बदलाव के मूल उद्देश्य को हम नहीं समझ पायेंगे तो यह बदलाव भी अर्थहीन ही होगा। निश्चित ही प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अगुवाई में सुप्रीम कोर्ट और न्याय व्यवस्था पारदर्शिता की ओर कदम बढ़ा रही है। लगातार यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि न्याय सभी के लिए है, न्याय के समक्ष सब बराबर हैं और कानून अब अंधा नहीं है। अब न्याय की देवी के एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में पुस्तक है जो संविधान जैसी दिखती है।

यह सर्वविदित एवं लोगों में आम धारणा है कि थाना-पुलिस और कोर्ट-कचहरी का चक्कर लगा-लगा कर आम आदमी की जिंदगी तबाह हो रही है, तब मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाकर भला क्या सुधर जाना है? न्याय की देवी को सच में आंखें देनी हैं तो कानून में आमूल-चूल परिवर्तन, त्वरिता, समयबद्धता एवं समानता की जरूरत होगी। यह तो चीफ जस्टिस भी जानते हैं। आखिर किसे नहीं पता कि इस देश में सड़क से लेकर अदालत तक, हर जगह कानून की धज्जियां उड़ती हैं और न्याय की देवी यूं ही स्टैच्यू बनी रहती हैं। कोई हरकत नहीं, बिल्कुल संवेदनहीन। सड़कों पर कानून तमाशबीन बनकर खड़ा है, थाने में वह उगाही और उत्पीड़न का अस्त्र बना है तो अदालतों में दलीलों और तारीखों की बेइंतहा ऊबाऊ प्रक्रिया का जटिल हिस्सा है, जिसकी जकड़न में गए तो खैर नहीं। अब तक अंधे कानून की त्रासदी न्याय की देवी देख नहीं पाती थीं, अब वो खुली आंखों से सब देखेंगी। कम-से-कम उम्मीद तो कर ही सकते हैं कि देख पाने के कारण न्याय की देवी की मूर्ति में भी संवेदना जग जाए। जस्टिस चंद्रचूड़ ने वाकई अच्छी पहल की है, उसका स्वागत होना चाहिए।

1983 को एक फिल्म अंधा कानून रिलीज हुई थी। इस फिल्म एवं इसके गाने में कोर्ट-कचहरी, वकील-दलील, सुनवाई-फैसले के हालात को शब्द दिए गये हैं। कहा गया कि अस्मतें लुटीं, चली गोली, इसने आंख नहीं खोली। फिर गीत कहता हैं- लंबे इसके हाथ सही, ताकत इसके साथ सही। पर ये देख नहीं सकता, ये बिन देखे है लिखता। इस तरह फिल्म कानून को अंधा बताती है। स्थिति यह है कि आज भी न्यायालयों में यह चर्चा अमूमन होती है कि अदालत में पेश होने वाले अभियोजन या अभियोग पक्ष के रुतबे को देखकर न्याय प्रभावित हो जाता है। लेकिन उस समय की मूर्ति की मूल भावना कहां और कितनी प्रभावी रही है, यह सर्वविदित है। अब नयी संशोधित प्रतिमा का संदेश है कि देश में न्याय अंधा नहीं है, वह इस बात पर जोर देती है कि भारत में न्याय दूरदर्शिता और समानता के साथ काम करता है। जो संतुलन और निष्पक्षता का प्रतीक है-यह दर्शाता है कि न्यायालय किसी निर्णय पर पहुँचने से पहले सभी पक्षों से तथ्यों और तर्कों को तौलता है। इसका मतलब है कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं, इसमे न पैसे वाले का महत्व, न रुतबा, ताकत और हैसियत को महत्व दिया जाता है।

न्याय की देवी, जिसे हम अक्सर अदालतों में देखते हैं, असल में यूनान की देवी हैं। उनका नाम जस्टिया है और उन्हीं के नाम से 'जस्टिस' शब्द आया है। उनकी आंखों पर बंधी पट्टी दिखाती है कि न्याय हमेशा निष्पक्ष होना चाहिए। 17वीं शताब्दी में एक अंग्रेज अफसर पहली बार इस मूर्ति को भारत लाए थे। यह अफसर एक न्यायालय अधिकारी थे। 18वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के दौरान न्याय की देवी की मूर्ति का सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल होने लगा। भारत की आजादी के बाद भी हमने इस प्रतीक को अपनाया। यह बदलाव औपनिवेशिक शासन के अवशेषों को हटाने के अन्य प्रयासों को दर्शाता है, भारत गुलामी के सभी संकेतों से बाहर निकलना चाहता है। जैसे कि हाल ही में आपराधिक कानूनों में बदलाव, भारतीय दंड संहिता की जगह भारतीय न्याय संहिता को लागू करना है।

यहां नई मूर्ति के नए संकेतों का अर्थ गहराई से समझना भी जरूरी है। न्याय समाज में संतुलन का प्रतिनिधित्व करें, न्यायिक संचालन-प्रक्रिया सांविधानिक प्रावधानों के अनुरूप चले। सबको समान रूप से देखें। हम न्याय की देवी द्वारा इंगित मूल्यों में संजीदगी दिखाये। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि आखिर भारतीय न्याय-व्यवस्था को लेकर आम धारणा इतनी कटु क्यों है? यह क्यों माना जाता है कि यहां न्याय देर से मिलता है, जबकि अदालतों में तारीखें अनवरत मिलती रहती हैं? जिस सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की वकालत की गई है, उसे वास्तविक अर्थों में साकार करने में हम अब तक क्यों विफल रहे हैं? जब तक इन सवालों के उचित जवाब हम नहीं खोज लेते हैं, तब तक न्याय की देवी के प्रतीक-चिह्नों की सार्थकता कठघरे में खड़ी की जाती रहेगी। असल में, प्रतीक-चिह्न एक पहचान के रूप में काम करते हैं। इन प्रतीक-चिह्नों से जो प्रतीकात्मक अर्थ निकल रहा है, वह हर हाल में साकार हो। भारतीय अदालतें इस मामले में उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतर सकी हैं। लिहाजा, इन संकेतों के सार्थक होने के लिए हमें कुछ अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

न्याय में देर करना अन्याय है। भारत की न्यायप्रणाली इस मायने में अन्यायपूर्ण कही जा सकती है, क्योंकि भारत की जेलों में 76 प्रतिशत कैदी ऐसे हैं, जिनका अपराध अभी तय नहीं हुआ है और वे दो दशक से अधिक समय से जेलों में नारकीय जीवन जीते हुए न्याय होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए न्यायप्रणाली की धीमी रफ्तार को गति देकर ही ऐसे विचाराधीन कैदियों के साथ न्याय देना संभव है और इसी से सशक्त भारत का निर्माण होगा और प्रतीकात्मक प्रतीक चिह्नों में बदलाव का कोई सार्थक उपयोग एवं असर होगा। भारत को अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक परिस्थिति और अपने गौरवपूर्ण इतिहास बोध के अनुसार एक वैकल्पिक न्याय तंत्र भी स्थापित करना चाहिए, किंतु जब तक यह नहीं होता वर्तमान व्यवस्था में ही कुछ आवश्यक सुधार करके हमें इसे समसामयिक, तीक्ष्ण, समयबद्ध और उपयोगी बनाए रखना चाहिए। न्याय सिर्फ होना ही नहीं चाहिये बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिये। भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए।

- ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि जब से पार्वतीजी के घर आ जाने से पर्वत ऐसा शोभायमान हो रहा है जैसा रामभक्ति को पाकर भक्त शोभायमान होता है। उस (पर्वतराज) के घर नित्य नए-नए मंगलोत्सव होते हैं, जिसका ब्रह्मादि यश गाते हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

नारद समाचार सब पाए। कोतुकहीं गिरि गेह सिधाए॥
सैलराज बड़ आदर कीन्हा। पद पखारि बर आसनु दीन्हा॥

जब नारदजी ने ये सब समाचार सुने तो वे कौतुक ही से हिमाचल के घर पधारे। पर्वतराज ने उनका बड़ा आदर किया और चरण धोकर उनको उत्तम आसन दिया॥

नारि सहित मुनि पद सिरु नावा। चरन सलिल सबु भवनु सिंचावा॥
निज सौभाग्य बहुत गिरि बरना। सुता बोलि मेली मुनि चरना॥

फिर अपनी स्त्री सहित मुनि के चरणों में सिर नवाया और उनके चरणोदक को सारे घर में छिड़काया। हिमाचल ने अपने सौभाग्य का बहुत बखान किया और पुत्री को बुलाकर मुनि के चरणों पर डाल दिया॥

दो0-त्रिकालग्य सर्बग्य तुम्ह गति सर्बत्र तुम्हारि।
कहहु सुता के दोष गुन मुनिबर हृदयँ बिचारि॥

(और कहा-) हे मुनिवर! आप त्रिकालज्ञ और सर्वज्ञ हैं, आपकी सर्वत्र पहुँच है। अत: आप हृदय में विचार कर कन्या के दोष-गुण कहिए॥

(क्रमश:...)

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के मौके

हाल ही में लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी व सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे। इसी तरह हाल ही में वर्ल्ड बैंक के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्टूबर 2024 में कहा गया है कि वैश्विक चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घटकर 4.0 फीसदी होगी। जबकि भारत की विकास दर 6.3 फीसदी से अधिक रहेगी। वस्तुत: भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढने की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया वैश्विक संघर्ष और चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए नए अवसरों का आधार है। गौरतलब है कि विगत 4 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान युद्ध की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। मोदी ने कहा कि दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। दुनिया में भारत ग्लोबल फिनटेक एडाप्शन के मामले में पहले क्रम पर है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं के मामले में दूसरे क्रम पर है। स्टार्टअप के मामले में तीसरे क्रम पर है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में चौथे क्रम पर है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और मूडीज जैसी वैश्विक एजेंसियां वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत को दुनिया की सबसे विश्वसनीय और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ-साथ निवेश के पसंदीदा देश के रूप में देख रही हैं। यद्यपि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास और तेज विकास के मद्देनजर देसी उद्यमियों के साथ वैश्विक उद्यमियों के लिए भी बढ़ते अवसरों का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में उल्लेखनीय है कि हाल ही में दुनिया की ख्याति प्राप्त वित्तीय सेवा फर्म मॉर्गन स्टेनली ने कहा है कि सितंबर 2024 के दौरान भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए खुद को निवेश की पसंदीदा जगह बना लिया है। इसी परिप्रेक्ष्य में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी नई रिपोर्ट 2024 में कहा है कि भारत आर्थिक विकास, विदेशी निवेश और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश है। अमेरिका चैंबर ऑफ कॉमर्स की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में अमेरिका की कंपनियों की वैश्विक निवेश पसंदगी में भारत का दूसरा स्थान है। इस समय चीन अमेरिकी निवेशकों की प्राथमिकता खोता जा रहा है। इतना ही नहीं, अमेरिका और चीन में बढ़ते तनाव के माहौल में इस समय चीन में कार्यरत 12 लाख करोड़ रुपए निवेश वाली 50 अमेरिकी कंपनियां अपना कारोबार चीन से समेटने की तैयारी में हैं। इन कंपनियों में से 15 कंपनियां भारत में निवेश की तैयारी कर रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि विगत 23 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर काम करने वाली 15 प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के सीईओ को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के बहुआयामी क्षेत्रों में दुनिया के लिए अपार आर्थिक मौके हैं। साथ ही भारत के प्रति अपार आशावाद भी भारत को प्रगति की डगर पर आगे बढ़ा रहा है। बौद्धिक संपदा की सुरक्षा, तकनीकी नवाचार को बढ़ावा, इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी तथा विनिर्माण क्षेत्र को ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए भारत रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है।

भारत पिछले तीन लगातार वर्षों से 7 प्रतिशत से अधिक की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि दर के साथ दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। इस समय भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अब उनके तीसरे कार्यकाल में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार भारत को 'सेमीकंडक्टर विनिर्माण का वैश्विक केंद्र' बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। ऐसे में वैश्विक कंपनियों को भारत की विकास गाथा का लाभ उठाना चाहिए तथा भारत के आर्थिक और तकनीकी विकास से अवसरों का दोहन करना चाहिए। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अब भारत को आर्थिक दुनिया के एक उभरते सितारे के रूप में देखा जा रहा है, जो भारत की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय साख को दर्शाता है। वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष अहमियत भारत की आर्थिक स्थिति से भी मिल रही है। अमेरिका और रूस दोनों महाशक्तियों के साथ भारत की मित्रता के नए अध्याय दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा एवं भारतीय बाजार में मौके बढ़ा रहे हैं। निस्संदेह भारत में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, कृषि विकास और बढ़ती ग्रामीण अर्थव्यवस्था देश और दुनिया के कारोबारियों और निवेशकों के लिए मौकों का नया द्वार खोल रही है।

देश में खाद्यान्न उत्पादन ऊंचाई बना रहा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक अब देश की खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ वैश्विक खाद्य सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने के लिए भारत रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है। अब भारत दुनिया के खाद्य कटोरे के रूप में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया के 150 से अधिक देशों को खाद्य पदार्थों के निर्यातक देश के रूप में दुनिया में रेखांकित हो रहा है। भारत दुनिया का आठवां बड़ा कृषि निर्यातक देश बन गया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय शेयर बाजार ऊंचाई पर है और दुनिया के लिए भारतीय शेयर बाजार में मौके बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 की शुरुआत से भारत में आईपीओ का बाजार गुलजार है। भारत में म्युचुअल फंड (एमएफ) में निवेश छलांगें लगाकर बढ़ रहे हैं। अगस्त 2024 तक डीमैट खातों की संख्या 17.10 करोड़ के पार हो गई है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि विदेश व्यापार में भारत की नई संभावनाएं दुनिया के लिए नए मौके के रूप में हैं। 'चीन प्लस वन' रणनीति के तहत भारत दुनिया के सक्षम व भरोसेमंद देश के रूप में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में नई भूमिका निभा रही है। हम उम्मीद करें कि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गिरावट के दौर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी बहुआयामी विशेषताओं के कारण मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। साथ ही आर्थिक विकास के रणनीतिक प्रयासों से भारत में विकास का अध्याय आगे बढ़ता जाएगा। साथ ही रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। इससे देश 2027 में तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 में विकसित भारत बनने की डगर पर निश्चय ही आगे बढ़ेगा।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

कार्तिक कृष्ण पक्ष : षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम, संतान की स्थिति बहुत अच्छी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
खर्च की अधिकता रहेगी। थोड़ी मानसिक परेशानी बनी रहेगी। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार बहुत अच्छा। पहले से बेहतर स्थिति आपकी दिख रही है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मन चिंतित रहेगा। थोड़ा सा खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम चलता रहेगा। प्रेम, संतान का साथ हो गया है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। पुराने स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान थोड़ा मध्यम है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा का योग बनेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
परेशानी का समय है। कोई रिस्क न लें। चोट-चपेट लग सकती है। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
शत्रुओं पर कब्जा होगा आपका। थोड़ी सी कार्यों में विघ्न-बाधा रहेगी। बाकी प्रेम, संतान व्यापार अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
भावुक होकर कोई निर्णय मत लीजिएगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। स्वास्थ्य ठीक-ठाक।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम। प्रेम, संतान की स्थिति अच्छी है।

जिला कलेक्ट्रेट पर जमें है किसान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संयुक्त किसान मोर्चा के धरने के आठवें दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता करतार नागर ने की। संचालन सतीश यादव ने किया धरने की प्रमुख मांग हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की है। इसके संबंध में जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर ने बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया है। बातचीत का पूरा विवरण बातचीत के बाद शेयर किया जाएगा।

धरने को संबोधित करते हुए किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा कि धरना संयुक्त रूप से अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान परिषद, जय जवान जय किसान मोर्चा, किसान संघर्ष समिति ऐछर एवं कृषक शक्ति ने मिलकर शुरू किया था जिसमें किसान एकता संघ ने भी आकर भागीदारी शुरू की है हम किसान मोर्चा को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं जिससे कि किसानों की समस्याओं को अंतिम तौर पर हल किया जा सके।

किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने संबोधित करते हुए कहा कि एनटीपीसी के किसानों की रोजगार और सामान मुआवजे की मांग को लेकर आंदोलन दिन प्रतिदिन मजबूत हो रहा है। एनटीपीसी के किसानों के संबंध में अबकी बार बेहतर नतीजे पर पहुंचने की उम्मीद है। बृजेश भाटी ने कहा कि लड़ाई अपने निर्णायक मोड़ में है किसानों के 10 प्रतिशत प्लाट, नए कानून को लागू करने, भूमिहीन परिवारों के एक सदस्य के लिए वेंडिंग जोन में बनने वाली दुकानों में 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था को लागू करने, आबादियों का निस्तारण कराने जैसे मुद्दों को लेकर आंदोलन अपने तीसरे और अंतिम चरण में है। डीएम गौतम बुध नगर कार्यालय पर हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग के साथ किसानों का आंदोलन शुरू हुआ है।

धरने को मोनू मुखिया, प्रवीण चौहान, नीरज चौहान, नरेश नागर निरंकार प्रधान, निशांत रावल, सुधीर रावल, भोजराज रावल, शांति देवी, गीता देवी, ह्रदेश शर्मा, अजब सिंह भाटी, सचिन एडवोकेट, विरेंद्र राघव मुकेश राणा, जितेंद्र राणा, करण राघव, पंकज खारी, नितिन राणा, सतबीर यादव, गबरी यादव ओम दत्त पंडित जी, भीम सिंह, अजय पाल भाटी, सुंदर प्रधान, पप्पू ठेकेदार, मनोज प्रधान, मनवीर खानपुर, सूले यादव, सुरेंद्र भाटी, बुधपाल यादव सतबीर यादव, मास्टर राजवीर सिंह, सतपाल खारी, धर्मेंद्र भाटी, अशोक भाटी, प्रशांत भाटी, गुरप्रीत एडवोकेट मोहित भाटी मोहित यादव मोहित नागर बाबा छात्र रंगलाल भाटी जयप्रकाश आर्य और अनूप राघव गोपाल शर्मा विक्रम भारती, जगत प्रधान, संजय शर्मा, जयवीर प्रधान, सोनू पहलवान, नीरज गुर्जर कंवरपाल प्रधान, उदल आर्य, सचिन एडवोकेट जोगेंद्र देवी रईसा बेगम तिलक देवी रीना भाटी संतोष सविता रीता गीता सुनीता ने संबोधित किया एवं सैकड़ो महिला पुरुष किसान शामिल रहे। भवदीय, डॉक्टर रुपेश वर्मा, अध्यक्ष, अखिल भारतीय किसान सभा, गौतम बुद्ध नगररिपोर्ट के आने के बाद रिपोर्ट की समीक्षा की जाएगी और आंदोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी। महासचिव जगबीर नंबरदार ने कहा की धरने की प्रमुख मांग पूरी होने तक धरना चलता रहेगा।

भाकियू (अम्बावता) ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

दादरी (चेतना मंच)। दादरी तहसील के अंतर्गत आने वाले बिजली घर धूम मानिकपुर पर क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को लेकर क्षेत्र के ग्राम वासियों ने दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपवास के नेतृत्व एक ज्ञापन धूम मानिकपुर के एसडीओ आदित्य प्रकाश को सौंपा। जिसमें किसान नेता राजकुमार रूपबास का कहना है कि कुछ सूत्रों से पता चला है कि कुछ गांव जैसे रूपवास आमका डेरी स्कैनर डेरी मछा धूम मानिकपुर अच्छेजा जानसिमाना आदि गांवों को यूपीसीएल से हटकर एनपीसीएल में करने की प्रक्रिया चल रही है जिसमें क्षेत्र के ग्रामवासी इसका विरोध करते हैं और सभी गांव में इसका रोष है क्योंकि जब से गांव बसे हैं अब तक यूपीसीएल से ही बिजली सुचारू रूप से चालू है और आगे भी हम किसी भी कीमत पर एनपीसीएल में नहीं जाने देंगे चाहे इसके लिए जनआंदोलन करना पड़ेगा तो करेंगे, लेकिन किसी भी कीमत पर गांव का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए चाहे हमें एमडी ऊर्जा मंत्री मुख्यमंत्री वार्ता करनी पड़ी तो वह भी करेंगे लेकिन यूपीसीएल से एन पीसीएल,में कन्वर्ट नहीं करने दिया जाएगा। जिसमें एसडीओ आदित्य प्रकाश का कहना है कि आपकी मांग

को आगे उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा आपकी समस्या का समाधान अवश्य किया जाएगा आपकी मांग जायज है।

ज्ञापन देने के दौरान गीता नागर सरोज भाटी अशोक भाटी सुरेश प्रधान कपिल खारी शेर पहलवान ललित भाटी रॉकिंदर देवेंद्र आशु गुर्जर संजय प्रधान किसान नेता राजकुमार रूपबास अजीत प्रधान कृष्ण कुमार सुनील कुमार अमित मुखिया नरेश एडवोकेट जतिन आदेश लीलू अंकुर पाएला अरुण नागर संजीव मुकदम प्रदीप नागर अनिल प्रधान शिवम विकास आकाश मनीष चमन करतार सिंह धूम सिंह भगत संजीव एडवोकेट चिराग नागर शिवराज अजीत पवन लीलू दीपक प्रिंस आदि मौजूद थे।

सुखवीर आर्य बने गुर्जर महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा, उत्तर प्रदेश ईकाई के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह नागर ने प्रदेश कार्यकारिणी गठित की है। जिसमें सुखवीर सिंह आर्य को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डॉ0 मनोज कटारिया को संगठन महामंत्री, रवि तौगड़ को कोषाध्यक्ष एवं बी एस रावत को प्रवक्ता और कृष्ण पाल गुर्जर को क्षेत्रीय अध्यक्ष (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) एवं कैप्टन पन्चशील गुर्जर को जिलाध्यक्ष (गौतमबुद्धनगर) नियुक्त किया है।

प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह नागर ने प्रदेश एवं क्षेत्रीय कार्यकारिणी के साथ ही कई जिलाध्यक्ष घोषित किए है। जिसमें वरिष्ठ समाज सेवी सुखवीर सिंह आर्य को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष, देवेंद्र कसाना, संजय भैया, रविंद्र प्रधान, राजेन्द्र गुर्जर, अमित मुखिया, श्याम सिंह बैंसला एवं रिंकू अधाना को प्रदेश उपाध्यक्ष, डॉ0 मनोज कटारिया को प्रदेश संगठन महामंत्री, महेंद्र प्रधान, चैनपाल प्रधान, पवन हूण एवं विरेन्द्र कुमार उर्फ विनोद गुर्जर को प्रदेश महामंत्री, बबलू गुर्जर, अमरजीत चौधरी, गौरव नागर को प्रदेश मंत्री, रवि तौगड़ को कोषाध्यक्ष एवं प्रो बी एस रावत को प्रदेश प्रवक्ता मनोनीत किया है। साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए कृष्णपाल गुर्जर मेरठ को क्षेत्रीय अध्यक्ष, संजीव मुकददम को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, अमरीष चपराना को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री, सुमित चपराना को क्षेत्रीय मंत्री घोषित किया है। इसके अलावा कैप्टन पन्चशील गुर्जर को जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर, जितेंद्र नागर को जिलाध्यक्ष हापुड़, नितिन गुर्जर को जिलाध्यक्ष मुरादाबाद, ब्रजेश अधाना को जिलाध्यक्ष बुलन्दशहर एवं नरेंद्र भड़ाना को जिलाध्यक्ष, मेरठ नियुक्त किया गया है।

भाकियू (बलराज) की महापंचायत आयोजित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नेतृत्व में पैरामाउंट गोल्फ फोरेस्ट मार्केटिंग आफिस गेट पर 22 अगस्त से पैरामाउंट बिल्डर के तानाशाह रवैए के विरोध में चल रहे सोसायटी निवासियों के अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन पर कल महापंचायत में किसानों का उमडा जनसैलाब पुलिस-प्रशासन के फूले हाथ पैर। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के हजारों की तादाद मै कार्यकर्ताओ ने महापंचायत मै भाग लिया। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वीएम सिंह अपने कार्यकर्ताओ के साथ दलबल से महापंचायत मै पहुँचें सरदार वीएम सिंह ने पुलिस-प्रशासन को लिया आडे हाथों उन्होने कहा कि समय रहते समस्याओ का प्रशासन समाधान करें और पैरामाउंट बिल्डर के अवैध निर्माणों को ध्वस्त करे और बिल्डर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करें अन्यथा यहाँ महाआन्दोलन होगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने महापंचायत को सम्बोधित करते हुए ऐलान किया कि यदि यूपीसीडा के आरएम और पैरामाउंट बिल्डर और प्रशासन के अधिकारी ने एक घन्टे मै धरनास्थल पर वार्ता कर समस्याओ का समाधान नही किया तो कासना

स्थित यूयीसीडा के आर एम का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन वहीं किया जायेगा जिससे पुलिस प्रशासन की तरफ से एसीपी सेंट्रल ने यूपीसीड़ा के सक्षम अधिकारियो को धरना स्थल पर बुलाकर कुछ मांगो पर समय लिया गया और लिखित आश्वासन देकर हमे आश्वस्त किया की जल्द समस्याओं का समाधान किया जाएगा और वी एम सिंह जी ने कहा की अगर जल्द नहीं समाधान कराए गए तो अब हम बड़ा आंदोलन करेंगे। सोसाइटी निवासी रामकुमार नागर के द्वारा एसीपी सेंट्रल और यूपीसीड़ा के अधिकारियो ने एक सप्ताह के अन्दर आर एम के साथ दस लोगों की कमेटी बनाकर उनके नाम दिए जायेंगे। तभी बलराज भाटी जी ने आज धरने को समाप्ति की घोसणा की।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रेखा सिवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय प्रताप सिंह, मलिक गठवाल खाप के अध्यक्ष एम पी मलिक राजबीर सिंह, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य चंद्रपाल बंसल, हेमन्त पडिंत,प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, प्रदेश अध्यक्ष युवा विपिन खारी, प्रदेश उपाध्यक्ष आशीष नागर प्रदेश महासचिव दिलदार अंसारी, महानगर अध्यक्ष योगेश वैष्णव, सोसाइटी निवासी जितेन्द्र गंगवार, हरजीत बिष्ट, डॉ नवीन भाटी, अरुण शर्मा, अमित अवाना, मुदित बैंसला,रामलोचन, विक्रम कश्यप, बद्री प्रसाद, शशि भूषण मौर्य, हरवीर चौधरी, विनोद प्रताप, सागर लिंका, भगवंत सिंह, के पी सिंह, डॉ प्रवीण भाटी , मोनू त्यागी, संदीप नागर प्रदेश उपाध्यक्ष आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

एक हजार एकड़...

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर वाराणसी और भदोही के आसपास आजमगढ़ से मुबारकपुर तक के कई जिलों में सिल्क क्लस्टर डेवलप करने के लिए केंद्र ने कदम बढ़ाए हैं। काशीधाम बनने के बाद बनारसी साड़ियों की मांग में बहुत वृद्धि हुई है। पीएम मित्र पार्क टेक्सटाइल पार्क एक हजार एकड़ में विकसित होने जा रहा है लेकिन कच्चा माल हमें ही तैयार करना होगा। किसान के लिए असीम संभावनाएं हैं। बस्ती, गोरखपुर और देवीपाटन सहित कई मंडलों में रेशम उत्पादन बढ़ेगा।

यूपी सरकार जोखिम...

केवल तीन दिन का समय दिया है। यूपी सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिटर जनरल के एम नटराज ने कोर्ट को बताया कि मामला इलाहाबाद हाई कोर्ट के संज्ञान में है और उच्च न्यायालय ने नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया है।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा- यदि यूपी सरकार कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने का जोखिम लेना चाहती है, तो उनकी मर्जी। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि हाई कोर्ट द्वारा उन्हें कोई सुरक्षा नहीं दी गई है।

एटीएम तोड़ने वाला...

01 खोखा कारतूस बरामद हुए है। बदमाश ने पूछताछ में बताया कि उसने 20/21 अक्टूबर 2024 की रात्रि में देवला में एक्सिस बैंक व एचडीएफसी बैंक के एटीएम तोड़ने का प्रयास किया गया था। बदमाश के विरूद्ध थाना ईकोटेक थर्ड में भी एक लूट का मुकदमा दर्ज है।

घर में आया बनकर...

ने घर में चोरी करने वाली महिला चोर जूली पुत्री दिनेश सिंह (24 वर्ष) को फिल्मसिटी फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे सड़क के किनारे से गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे से घटना में चोरी गये सामान के 500 रुपये के 117 नोट कुल 58500 रूपये व एक बैग व एक पर्स व वादी का एक आधार कार्ड बरामद किया गया है।

जूली पुत्री दिनेश सिंह मूल निवासी ग्राम रामपुर थाना अवतार नगर जिला सारण बिहार हाल पता बद्रीनाथ अपार्टमेन्ट द्वित्तीय फ्लोर गली नं0-8 किशनगढ महरौली दिल्ली है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह नोएडा में कोठियों में काम के बहाने घुसती थी और मौका मिलते ही चोरी की घटना को अंजाम देकर फरार हो जाती थी।

30 विमानों को...

बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को उसके चार विमानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिला है। वे 6ई 164 (मंगलुरु से मुंबई), 6ई 75 (अहमदाबाद से जेद्दा), 6ई 67 (हैदराबाद से जेद्दा) और 6ई 118 (लखनऊ से पुणे) हैं। अलर्ट के बाद हमने संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया गया। इन उड़ानों के यात्री सुरक्षित रूप से उतर गए।

उप मुख्यमंत्री से...

स्वास्थ्य मंत्री ने उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुना तथा आवश्यक निर्देश देने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने फेनरवा अध्यक्ष को फिर विस्तृत ब्यौरे के साथ पुनः लखनऊ आने को कहा।

इस मौके पर फोनरवा चेयरमैन के साथ फेनरवा के सलाहकार व समाजसेवी त्रिलोक शर्मा भी मौजूद थे।

31 तक चलेगा भाजपा...

श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूत करें। मनोज गुप्ता ने कहा की यह महाअभियान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्रदान करने के साथ ही सभी को राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करेगा।

मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर ने बताया कि यह अभियान आने वाली 31 अक्टूबर तक चलेगा, जिसके तहत जो भी पार्टी का कार्यकर्ता व नेता 100 या उससे ज्यादा लोगों को जोड़ेगा, पार्टी उसे सक्रिय सदस्य बनाएगी. सक्रिय सदस्य बनने के लिए किसी भी कार्यकर्ता या फिर नेता को सक्रिय सदस्य का एक फॉर्म भरना होगा और नमो ऐप पर 100 रुपये सदस्यता शुल्क भरने होंगे।

जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता के साथ महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, वरिष्ठ नेता हरीश चंद्र भाटी, पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश शर्मा तथा योगेंद्र चौधरी, उपाध्यक्ष गिरीश कोटनाला, मंडल अध्यक्ष लोकेश कश्यप, ओबीसी अध्यक्ष उमेश यादव आदि कार्यकर्ता साथ रहे।

नमो भारत ट्रेन में 40 लाख से ज्यादा यात्रियों ने किया सफर

आरआरटीएस के संचालन का 1 वर्ष पूरा, केन्द्रीय मंत्री ने की यात्रा

नई दिल्ली/ गाजियाबाद। नमो भारत ट्रेन संचालन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आवासन और शहरी कार्य एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने नमो भारत ट्रेन में यात्रा की और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के प्रमुख स्टेशनों का दौरा किया।

केन्द्रीय मंत्री ने साहिबाबाद स्टेशन से नमो भारत ट्रेन में सवार होकर यात्रा की। इस दौरान उन्होंने महिला ट्रेन ऑपरेटरों से बातचीत की और भारत के पहले आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालन में उनके योगदान की सराहना की। इसके साथ ही, उन्होंने दैनिक यात्रियों से भी बातचीत की और नमो भारत सेवा के बारे में उनका प्रत्यक्ष फीडबैक लिया।

मंत्री ने यात्रियों से मिले सकारात्मक प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया, जिन्होंने नमो भारत ट्रेनों मे मिलने वाली सुविधाएं, इसकी गति, और मिलने वाले आराम की सराहना की।

नमो भारत परिचालन के एक वर्ष होने के अवसर पर एनसीआरटीसी ने सुबह स्कूली छात्रों की विशेष यात्रा का आयोजन किया, जिसमे स्कूल के बच्चों ने चॉकलेट के साथ तेज़ और आनंददायक सवारी का आनंद लिया।

मनोहर लाल ने अपने दौरे की शुरुआत आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन से की, जहाँ उनका स्वागत एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल ने किया।

हाल ही में, नमो भारत ट्रेनों का ट्रायल रन शुरू किया गया है, जो दिल्ली के न्यू अशोक नगर और आनंद विहार आरआरटीएस स्टेशन को पहले से चालू साहिबाबाद स्टेशन से जोड़ेगा। इसके बाद मंत्री मनोहर लाल खट्टर साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन पहुंचे, जहाँ उन्होंने यात्रियों के लिए विकसित की गई विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया।

मंत्री को बताया गया कि 21 अक्टूबर 2023 को शुरू होने के बाद से, नमो भारत ट्रेनों ने गाजियाबाद, साहिबाबाद और आसपास के क्षेत्रों में यात्रा को काफी बदल दिया है, और अपने पहले वर्ष में सफलतापूर्वक 40 लाख से अधिक यात्रियों की सेवा की है। पिछले वर्ष के दौरान गाजियाबाद आरआरटीएस स्टेशन पर सबसे अधिक यात्री संख्या दर्ज की गई, इसके बाद साहिबाबाद और मोदीनगर नॉर्थ आरआरटीएस स्टेशनों का स्थान रहा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 20 अक्टूबर 2023 को साहिबाबाद से दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर के प्राथमिक खंड का उद्घाटन किया था, जो भारत की पहली आरआरटीएस के ऐतिहासिक शुभारंभ का प्रतीक था। 6 मार्च 2024 को दुहाई से मोदीनगर नॉर्थ के बीच 17 किलोमीटर के एक और खंड का उद्घाटन किया गया, इसके बाद 18 अगस्त 2024 को मेरठ साउथ आरआरटीएस स्टेशन को भी संचालित किया गया।

वर्तमान में, नमो भारत सेवा 42 किलोमीटर के खंड पर चल रही है, जिसमें साहिबाबाद, गाज़ियाबाद, गुलधर, दुहाई, दुहाई डिपो, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नॉर्थ, और मेरठ साउथ सहित नौ स्टेशन शामिल हैं। साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर खंड को जोड़ने के साथ ही यह गलियारा जल्द ही 54 किलोमीटर तक विस्तारित हो जाएगा, जिसमें आनंद विहार और न्यू अशोक नगर जैसे प्रमुख स्टेशन शामिल हैं।

जून 2025 तक जब 82 किलोमीटर का पूरा कॉरिडोर पूरा हो जाएगा, तो यात्री एक घंटे से भी कम समय में दिल्ली से मेरठ की यात्रा कर सकेंगे, जिससे क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और समग्र यात्री अनुभव में वृद्धि होगी।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

ओबीएससी परफेक्शन लिमिटेड ने 66 करोड़ रुपये के एसएमई आईपीओ की घोषणा की

दिल्ली, एजेंसी। 2024 - 2017 में स्थापित प्रीशियस मेटल मैन्युफैक्चरर ओबीएससी परफेक्शन लिमिटेड ने 22 अक्टूबर 2024 को अपना एसएमई आईपीओ खोलने की घोषणा की है। इसकी मेम्बरशिप ड्यूरेशन 24 अक्टूबर, 2024 को समाप्त होगी। एंकर अलॉटमेंट 21 अक्टूबर 2024 को किया जाएगा। एक शेयर का मूल्य 100 रुपए हैं। इस आईपीओ का लक्ष्य 6,602,400 इक्विटी शेयरों को बेचकर 66.02 करोड़ जुटाना है, जिसका मूल्य बैंड 95 और 100 प्रति शेयर के बीच तय किया गया है। एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्टेड ओबीएससी परफेक्शन, ऑटोमोटिव, डिफेंस, मरीन, टेलीकॉम सहित 8 देशों में उद्योगों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले इंजीनियर्ड प्रेसिजन मेटल कंपोनेंट की विविध रेंज के निर्माण में माहिर है। ऑफर डॉक्यूमेंट फाइलिंग के अनुसार, वर्तमान में इसकी ऑर्डर बुक और नामांकन 359 करोड़ रुपये का हैं। कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में कट ब्लैंक, शाफ्ट, स्प्लिन, टॉर्शन बार, पिस्टन रॉड और बहुत कुछ शामिल है, जो कई क्षेत्रो की जरूरतों को पूरा करता है। पुणे, महाराष्ट्र में तीन मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं और चेन्नई, तमिलनाडु में एक के साथ, ओबीएससी परफेक्शन ने वित्त वर्ष 22 से वित्त वर्ष 24 के दौरान 26 प्रतिशत से अधिक सीएजीआर की दर से वृद्धि की है। यूनिस्टोन कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड को आईपीओ के लिए बुक-रनिंग लीड मैनेजर के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करेगा। आर.के. स्टॉक होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड इस पेशकश के लिए मार्केट मेकर के रूप में काम करेगा। ओबीएससी परफेक्शन के अनुभवी प्रमोटर और प्रबंधन टीम स्टील, ऑटो कंपोनेंट्स और प्रेसिजन इंजीनियरिंग उद्योग में अपनी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए अपनी कंपनी के विकास को आगे बढ़ाते हैं। ओबीएससी परफेक्शन 50 वर्ष पुराने एंग्लियन ओमेगा समूह का हिस्सा है, जिसकी उपस्थिति विभिन्न क्षेत्रों में है, जिसमें इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, हाई-टेक ऑटो-कंपोनेंट्स, बेसिक पार्ट्स और सप्लाई चैन मैनेजमेंट सर्विस और खेल के अलावा ब्राइट बार स्टील मैन्युफैक्चरिंग भी शामिल है।

ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के बोर्ड ने 2 :1 स्टॉक स्प्लिट को मंजूरी दी

BLUE CLOUD SOFTECH
serving technology better

मुंबई, एजेंसी। हैदराबाद मुख्यालय स्थित ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड (बीसीएस) (बीएसई- 539607), जो एआई-ड्रिवन सॉल्यूशंस और नवाचारी एआईओटी समाधान प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी है, ने घोषणा की है कि उसके बोर्ड ने कंपनी के इक्विटी शेयरों के स्प्लिट (विभाजन) को मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव के तहत कंपनी के 2 रुपये अंकित मूल्य वाले एक इक्विटी शेयर को विभाजित कर 1 रुपये अंकित मूल्य वाले दो इक्विटी शेयर बनाए जाएंगे। यह प्रस्ताव आवश्यक नियामकीय/वैधानिक अनुमोदनों और शेयरधारकों की स्वीकृति के अधीन है। हाल ही में, कंपनी ने भारतीय बाजार में चार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सक्षम उत्पादों - ब्लूहेल्थ एप्लिकेशन, ब्लूरा, एडुजिनी और बायोस्टर - को लॉन्च किया। इन उत्पादों का अनावरण 7 अक्टूबर 2024 को हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान तेलंगाना के माननीय आईटी मंत्री श्री दुड्डिला श्रीधर बाबू द्वारा किया गया।

निवेश-बचत: गैर-जरूरी खर्चे यानी वित्तीय संकट को न्योता, सामर्थ्य के आधार पर लें फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारी सीजन में हर चीज पर सेल चल रही है। इन्हें खरीदकर लोग खुद को त्योहारों का हिस्सा मानने लगते हैं। हम सभी खरीदारी के प्रति इतने जुनूनी हो गए हैं कि इसे समय बिताने या दोस्तों में अपनी साख बनाने का साधन मानने लगे हैं। ये गैर-जरूरी खर्चे आने वाले समय में वित्तीय संकट की वजह बनते हैं। मैंने कई लोगों को दशहरा और दिवाली की खरीदारी के लिए सीजन सेल का इंतजार करते देखा है।

आजकल युवा जश्न मनाने के मूड में इतने डूबे हैं कि वे अपने सामने आने वाली हर चीज की खुशी मनाते हैं। जैसे वैलेंटाइन डे, होली, तीज, रक्षाबंधन, जन्मदिन, ट्री डे आदि। लोगों में खरीदारी का यह जुनून बिक्री के लिहाज से बाजार के लिए बढ़िया प्रोत्साहन है।

देव मेरे अपार्टमेंट में रहने वाले 29 वर्षीय युवा पिता हैं। उनकी एक बेटी है। देव ने कॉलेज में अच्छा प्रदर्शन किया और बेसिक ग्रेजुएशन के बावजूद एक प्रमुख आईटी कंपनी में अच्छे वेतन पर नौकरी पा ली। अपने पिता के सीमित साधनों के बावजूद वह जीवन में अच्छी चीजों का आनंद लेना चाहते थे। उन्होंने पिता की इच्छा के विरुद्ध नौकरी के एक साल के भीतर सेकंड हैंड कार खरीद ली। पिछले 7-8 वर्षों में उन्होंने एक नई कार खरीद ली है। मैं उन्हें सुंदर कपड़े पहने हुए और अपनी चीजों के साथ दिखने में खुश रहने वाले व्यक्ति के रूप में पाता हूं।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान मैंने देव को थोड़ा विचलित पाया। पूछने पर उन्होंने बताया कि कंपनी ने उनका प्रमोशन नहीं किया। इसका मतलब है कि उन्हें वह वेतन वृद्धि नहीं मिलेगी, जिसकी उन्हें उम्मीद थी। मैंने मान लिया था कि यह देव के लिए इतना बड़ा मामला नहीं है। लेकिन, मैं गलत था। कुछ दिन पहले हम संयोग से दशहरा में पूजा के पहले दिन मिले। मैंने उनसे पूछा कि क्या वह मुझसे अपने फाइनेंसेस पर बात करने के लिए आ सकते हैं और अगले एक घंटे में जो कुछ हुआ, वह बहुत परेशान करने वाला था।

वित्तीय जिम्मेदारियों का रखें ध्यान

देव अपने माता-पिता के उनके घर में रह रहे हैं। किसी अजीब कारण से वह अपनी आय का अधिकांश हिस्सा सिर्फ अपनी जीवनशैली को बनाए रखने में खर्च कर रहा है और घर के नियमित खर्चों पर बहुत कम। उनके पिता सेवानिवृत्त हो गए हैं। वह देव से घर की कुछ जिम्मेदारियां उठाने की उम्मीद कर रहे हैं। वह चाहते हैं कि देव घर के मेंटेनेंस, बिजली और नियमित किराना खर्चों का भुगतान करे। उनके पिता के दृष्टिकोण से यह एक वैध बिंदु है। लेकिन, देव का कहना है कि कार की ईएमआई, पांच साल की बेटी की स्कूल फीस और कपड़ों व गैजेट्स पर उनके नियमित खरीदारी के खर्चों के भुगतान के बाद ज्यादा पैसे नहीं बचते हैं।

अपने फाइनेंस को दें प्राथमिकता

महंगाई और बढ़ते कर्ज के बीच देव कार, मोबाइल, टैबलेट, छुट्टियों और कपड़ों का खर्च वहन कर रहे हैं। वह अपनी आय का 60 फीसदी हिस्सा उन चीजों की खरीदारी पर लिए गए कर्ज का भुगतान करने में खर्च कर रहे हैं, जिनकी वह वास्तव में आज कीमत नहीं लगा पा रहे हैं। वह कभी-कभी क्रेडिट कार्ड के बिल का भुगतान करने में चूक जाते हैं। आमतौर पर डरते हैं कि वह अपने पिता की ओर से दिए गए खर्चों का भुगतान नहीं कर पाएंगे। मैंने कहा, वह इन चुनौतियों के संबंध में अपने पिता से बात करें। दुर्भाग्य से यह कई अच्छी कमाई करने वाले युवाओं के साथ होता है। उनमें अपने फाइनेंसस को प्राथमिकता देने की समझ नहीं होती है।

सामर्थ्य के आधार पर लें फैसला

मुझे लगता है कि भले ही किसी का बचपन अभावों में गुजरा हो, लेकिन जब वह कमाने लगता है तो उसे अपने वित्तीय मामलों में कोईगड़बड़ी नहीं करनी चाहिए। उसे अपनी जरूरत और सामर्थ्य के आधार पर ही वित्तीय फैसले लेने चाहिए।

अमेजन डाट इन के फेस्टिव गिफ्टिंग स्टोर के साथ त्योहारों की खुशियां बांटिए

बेंगलुरु, एजेंसी। त्योहारों में उपहार देना सिर्फ़ एक परंपरा नहीं, बल्कि उससे बढ़कर है - यह उन लोगों के साथ खुशी, प्यार और उत्साह साझा करने का एक माध्यम है जो आपके दिल के बेहद करीब हैं। सही उपहार एक अमिट छाप छोड़ सकता है और किसी भी उत्सव के आनंद को दोगुना कर सकता है। आप अपने खाने के शौकीन दोस्तों को उपहार देने के लिए स्वादिष्ट मीठे और नमकीन व्यंजनों की तलाश कर रहे हों या अपने प्रियजनों का दिन बेहतर बनाने के लिए शानदार उपहार हैम्पर्स की तलाश कर रहे हों, आपकी ये तमाम तलाश अमेजन डाट इन पर जाकर समाप्त हो जाती है। इस सीज़न में, अमेजन डाट इन के 'फेस्टिव गिफ्टिंग स्टोर' पर जाकर अपने प्रियजनों के साथ जश्न मनाकर इस अवसर को ख़ास बनाकर उन्हें जताएं कि आप उनकी कितनी परवाह करते हैं। त्योहारों की शुरुआत करने के लिए, अमेजन डाट इन के 'फेस्टिव गिफ्टिंग स्टोर' पर जाकर खरीदारी करें और 200 रुपये तक के कैशबैक के साथ फेस्टिव गिफ्टिंग पर 50त्न तक की छूट पाएं। सीज़न के सभी टॉप फेस्टिव सामान पर कूपन सब्सक्रिप्शन के साथ अतिरिक्त 10त्न तक की छूट भी पा सकते हैं। फूल, 4700 बीसी, ईट बेटर को, गेंदा फूल, गो देसी जैसे प्रीमियम ब्रांड्स के विस्तृत रेंज पर ऑफर पाएं और अपने और अपने प्रियजनों के त्यौहारों को यादगार बनाएं।

देश के बड़े उद्योग घरानों पर साइबर हमले का खतरा बढ़ गया

इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज से लेकर अडानी ग्रुप तक शामिल हैं

इस खतरे से निपटने के लिए अधिकारी स्तर तक तैयारी की जा रही है

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की बड़े कॉर्पोरेट घराने जैसे मुकेश अंबानी का रिलायंस ग्रुप, अडानी ग्रुप, टाटा ग्रुप, वेदांता आदि पर एक खतरा मंडराने लगा है। सिर्फ ये बड़े कॉर्पोरेट घराने ही नहीं, कई और कंपनियों इसके निशाने पर हैं। इनमें मारुति सुजुकी इंडिया, आरपीजी आदि शामिल हैं। यह खतरा है साइबर अटैक का। हैकर्स इन कंपनियों में सेंध लगाने को तैयार बैठे हैं।

कई मामले आए सामने

साइबर अटैक के कई मामले सामने आए हैं। साल की शुरुआत में एक बड़ी फाइनेंस कंपनी इसका शिकार हुई थी। इस कंपनी की काफी संवेदनशील वित्तीय जानकारी लीक हो गई थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति बताया कि लीक के इस मामले को आंतरिक रूप से संभाल लिया गया था और इसे दबा दिया गया था। दूसरी घटना हाल ही में एक बड़ी इंजीनियरिंग कंपनी के साथ हुई। इस कंपनी ने कच्चे माल की आपूर्ति के लिए एक बैंक अकाउंट में काफी बड़ी

रकम ट्रांसफर कर दी थी। जबकि यह रकम उस कंपनी के पास पहुंची ही नहीं, जिसके अकाउंट में इस इंजीनियरिंग कंपनी ने पैसा भेजा था। दरअसल, यह कंपनी फिशिंग अटैक का शिकार हुई थी। ग्रांट थॉर्नटन के साइबर पार्टनर अक्षय गार्केल ने कहा कि यह रकम सात अंकों में थी।

माइक्रोसॉफ्ट पर अटैक

साइबर अटैक से दुनिया की प्रमुख आईटी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट भी अछूती नहीं रही है। कुछ महीने बड़े पैमाने पर माइक्रोसॉफ्ट आईटी आउटेज हुआ। इसमें दुनियाभर के सिस्टम को प्रभावित किया। कई फ्लाइट उड़ान नहीं भर पाई थीं। पेमेंट सिस्टम से लेकर इमरजेंसी सर्विस तक काम नहीं कर पाई थीं। एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ हो गई थी। इस गड़बड़ी को सही करने के बाद बोर्ड ने अपने मैनेजमेंट से यह समीक्षा करने को कहा कि उनके सिस्टम और डेटा कितने सुरक्षित हैं।

इंडस्ट्री के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि पिछले साल साइबर हमलों में कई गुना वृद्धि हुई है। वहीं जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जेन एआई) में तेजी आने से साइबर अटैक का खतरा और बढ़ गया है।

चेक पॉइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज में भारत और सार्क के मैनेजिंग डायरेक्टर सुंदर बालासुब्रमण्यम ने बताया कि पिछले छह महीनों में भारतीय संगठनों ने औसतन प्रति हफ्ते 3244 साइबर हमले देखे हैं। ये वैश्विक औसत 1657 से लगभग दोगुना है।

सूत्र के मुताबिक बड़ी कंपनियों पर बड़ा खतरा ज्यादा है। सूत्र कर मानें तो साइबर अटैक को रोकना बोर्ड और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की पहली प्रायोरिटी बन गया है। साइबर अटैक का यह खतरा रिलायंस इंडस्ट्रीज, अडानी ग्रुप, टाटा ग्रुप, वेदांता, मारुति सुजुकी इंडिया और आरपीजी जैसी बड़ी कंपनियों को ज्यादा है।

गार्केल ने कहा कि हैकर्स के लिए बड़े व्यापारिक घराने दुधारू गाय की तरह हैं। उनके पास न केवल बहुत सारा डेटा है, बल्कि एक बड़ी ब्रांड प्रतिष्ठा भी दांव पर रहती है। उन्होंने बताया कि संपत्ति का आधार जितना बड़ा होगा, जोखिम भी उतना ही ज्यादा होगा।

क्या है तैयारी

साइबर अटैक से निपटने के लिए कंपनियों में कई तरह की तैयारियां की जा रही हैं। आईसीआरए के अध्यक्ष अरुण दुग्गल ने कहा, मैं जिन अधिकांश बोर्डों में शामिल हूं, उन्होंने साइबर क्राइम और सेंधमारी से जुड़े जोखिमों के बारे में खुद को शिक्षित किया है। साथ ही वे इसके बारे में बहुत बेहतर जानकारी रखते हैं। ऑडिट समितियां जोखिम वाले हिस्सों पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं।

उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने सफलतापूर्वक आईपीओ की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (यूएफएसएल), एक प्रमुख आरबीआई पंजीकृत गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी), अपनी बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए तैयारी कर रही है। यह एमएसएमई ऋण के क्षेत्र में अपनी सेवाओं का विस्तार करने की दिशा में यह एक मील का पत्थर है। हरित वित्त, और पूरे भारत में वंचित समुदायों का सशक्तिकरण। यूएफएसएल का आईपीओ 18 राज्यों और 280 जिले, जिनमें दिल्ली एनसीआर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और अन्य शामिल हैं, इनमें 20,000 से अधिक ग्राहकों को नवीन वित्तीय समाधान प्रदान करने की अपनी क्षमता को मजबूत करने में और कंपनी को अपना पूंजी आधार बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह रणनीतिक कदम हरित वित्त, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) वित्तपोषण में कंपनी के नेतृत्व को मजबूत करेगा, जो इसकी विकास रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ है। उषा फाइनेंशियल की सीईओ गीता गोस्वामी ने आगामी आईपीओ पर टिप्पणी करते हुए कहा कि - आईपीओ यूएफएसएल को वित्तीय अंतराल को पाटने और छोटे व्यवसायों, उद्यमियों को सशक्त बनाने के अपने लक्ष्य को आगे बढ़ाने में सक्षम करेगा। इस आय से हमें अपने परिचालन को बढ़ाने, अपने भौगोलिक पदचिह्न का विस्तार करने और प्रमुख बाजारों में अपनी ग्राहक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ाने की अनुमति मिलेगी। कंपनी ने लगभग 110 करोड़ रुपये के शुद्ध स्वामित्व वाले फंड के साथ 320 करोड़ रुपये से अधिक की प्रबंधनाधीन संपत्ति (एयूएम) के साथ मजबूत वृद्धि का प्रदर्शन किया है। आईपीओ यूएफएसएल के नेतृत्व को मजबूत करेगा, ईवी वित्तपोषण जैसे नवीन समाधानों का उपयोग करके और महिला उद्यमियों का समर्थन करके वित्तीय समावेशन और सतत विकास को बढ़ाएगा।

खटाखट चीन जा रहा है पैसा! महीना भी पूरा नहीं हुआ और 10 अरब निकाल चुके विदेशी निवेशक

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में बिकवाली का सारा रेकॉर्ड तोड़ दिया है। अक्टूबर के त्यौहारी महीने में विदेशी संस्थागत निवेशकों अब तक लगभग 10 अरब डॉलर का निवेश निकाल चुके हैं। यह मार्च 2020 में कोरोना महामारी के कारण बाजार में आई गिरावट के दौरान देखी गई 7.9 अरब डॉलर (58,632 करोड़ रुपये) की बिकवाली से भी अधिक है। तब घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 55,595 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी लेकिन इसके बावजूद निफ्टी में 23 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

अक्टूबर में अब तक एफआइआइ ने 83,000 करोड़ रुपये से अधिक के शेयर बेचे हैं जबकि डीआइआइ ने 74,200 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। डीआईआई में ज्यादातर म्यूचुअल फंड हैं। लेकिन इस बार अच्छी बात यह है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली से खुदरा निवेशक घबराए नहीं हैं और इस महीने में निफ्टी में लगभग 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। एफआइआइ की बिकवाली के बीच डीआइआइ ने कैलेंडर वर्ष में अब तक 4 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड खरीदारी की है।

एलारा सिक्योरिटीज के अनुसार भारत के समर्पित फंडों में प्रवाह की गति 2022 के बाद पहली बार धीमी हो गई है जबकि चीन में विदेशी फंड का प्रवाह लगातार चौथे सप्ताह जारी रहा। पिछले एक महीने में चीन में विदेशी निवेशकों ने 18.7 अरब डॉलर का निवेश किया है। माना जा रहा है कि एफआइआइ की बिकवाली के लिए मुख्य रूप से चीन जिम्मेदार है। वे चीन में खरीदें, भारत में बेचें की रणनीति पर काम कर रहे हैं। पिछले एक महीने में निफ्टी में 4 प्रतिशत गिरावट आई है जबकि हैंग सेंग में 14 प्रतिशत और शंघाई के सीएसआइ 300 इंडेक्स में 22 प्रतिशत तेजी आई है। चीन की सरकार ने इकॉनमी में जान फूंकने के लिए हाल में बड़े प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की है। इससे वहां के मार्केट्स में काफी तेजी आई है। जानकारों के मुताबिक निवेशकों को उम्मीद है कि चीन सरकार का इस कदम से न केवल 2024 में ग्रोथ को बढ़ावा देगा, बल्कि अगले एकाध साल तक इसका असर दिख सकता है। जेफरीज के क्रिस वुड ने हाल ही में भारत की कीमत पर चीन में अपना वेटेज बढ़ाया है। हालांकि चीन सरकार के पैकेज को लेकर फंड मैनेजमेंट कम्युनिटी में एक राय नहीं है। मैक्वेरी का कहना है कि चीन का यह कदम फौरी तौर पर ठीक लगता है लेकिन इससे देश की इकॉनमी से जुड़ी बुनियादी समस्याएं हल नहीं होती हैं। इसी तरह ग्रोथ इन्वेस्टिंग के स्मॉलकेस मैनेजर और संस्थापक नरेंद्र सिंह ने कहा कि अमेरिका में चुनाव होने वाले हैं

हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड ने 5 मेगावाट कैप्टिव ग्रीन पावर यूटिलाइजेशन शुरू करने की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड भारत में एक लीडिंग स्टील ट्यूब्स और पाइप्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जिसने अपने रूफटॉप पर सोलर इंस्टालेशन और ओपन एक्सेस एग्रीमेंट्स से प्राप्त 5 मेगावाट कैप्टिव ग्रीन पावर यूटिलाइजेशन शुरू करने की घोषणा की है। यह स्ट्रेटिजिक मूव स्थिरता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को बढ़ाता है और पर्यावरण की दृष्टि से ज़िम्मेदार मैन्युफैक्चरिंग में इसके नेतृत्व को मज़बूत करता है।

इस इनिशिएटिव में मुख्य रूप से ग्रुप कैप्टिव ओपन एक्सेस सोलर प्रोजेक्ट के माध्यम से 3 मेगावाट की आपूर्ति शामिल है, जो इसके साणंद यूनिट सेकंड फेज 1 में एक नए स्थापित 1 मेगावाट के रूफटॉप सोलर प्लांट द्वारा पूरक है, जो कंपनी को डायरेक्टर साइट पर रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग करने में सक्षम बनाता है। इस लेटेस्ट डेवलपमेंट के साथ, हाई-टेक पाइप्स की कुल सोलर एनर्जी खपत 13.5 मेगावाट तक पहुंच गई है, जिससे कंपनी अपने पर्यावरण, सामाजिक और शासन उद्देश्यों की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए ऊर्जा लागत में महत्वपूर्ण कटौती हासिल कर सकी है। भारत सरकार ने 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए मिशन लिया है,

Hi-TECH PIPES LTD.
Pipes for Life

जिसका लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन को 30 प्रतिशत से 35 प्रतिशत तक कम करना है। इस मिशन को प्राप्त करने के लिए, सरकार सोलर और विंड एनर्जी व अन्य एनवायरनमेंटल फ्रेंडली उपायों के साथ द्वारा ग्रीन पावर के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। हाई-टेक पाइप्स को इस राष्ट्रीय दृष्टिकोण के साथ अपनी पहल को संरेखित करने पर गर्व है।

इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, हाई-टेक पाइप्स लिमिटेड के चेयरमैन, अजय कुमार बंसल ने कहा कि, हम 5 मेगावाट कैप्टिव ग्रीन पावर यूटिलाइजेशन की शुरुआत के साथ अपनी ग्रीन एनर्जी पहल का विस्तार करने के लिए रोमांचित हैं। इस प्रगति से न केवल बिजली की लागत में महत्वपूर्ण बचत होती है, बल्कि टिकाऊ प्रथाओं के प्रति हमारी चल रही प्रतिबद्धता और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी प्रदर्शित होती है। ग्रीन पावर का उपयोग करके, हाई-टेक नॉन-रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स पर अपनी निर्भरता कम कर रहा है, जिससे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य में योगदान मिल रहा है। इस कदम से महत्वपूर्ण वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे कंपनी को इनोवेटिव सॉल्यूशंस में और इन्वेस्ट करने और ऑपरेशनल एफिशिएंसी बढ़ाने में मदद मिलेगी। अपनी व्यापक सस्टेनेबिलिटी स्ट्रेटजी के हिस्से के रूप में, हाई-टेक एडिशनल रिन्यूएबल एनर्जी सॉल्यूशंस की खोज के लिए समर्पित है जो उसके ईएसजी लक्ष्यों के अनुरूप हैं, जो पर्यावरण और इसके द्वारा प्रदान किए जाने वाले समुदायों दोनों पर सकारात्मक प्रभाव सुनिश्चित करते हैं।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही के लिए अब तक की सबसे ज़्यादा सेल्स अनाउंस की

मुंबई, एजेंसी। कृषि उत्पाद एफएमसीजी सेक्टर में आईएसओ 22000:2018 और यूएसएफडीए प्रमाणित अग्रणी सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के दौरान बिक्री में 500 करोड़ रुपये को पार करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि एसएफएल की प्रीमियम पेशकशों, विशेष रूप से निंबार्क ब्रांड के तहत इसके ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता को रेखांकित करती है, जिसने गुणवत्ता के प्रति कंपनी की दृढ़ प्रतिबद्धता के कारण उल्लेखनीय प्रॉफिट ग्रोथ को प्रेरित किया है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही के लिए, फाइनेंशियल ईयर 24 की समान अवधि की तुलना में, कंपनी ने निम्नलिखित फाइनेंशियल रिजल्ट्स रिपोर्ट किए - कुल रेवेन्यू 504.36 करोड़ रुपये रहा, जो 392.90 करोड़ रुपये से 28.37 प्रतिशत की वृद्धि है। एबीटा 35.53 प्रतिशत बढ़कर 25.19 करोड़ रुपये से बढ़कर 34.14 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध लाभ में 45.22 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 7.74 करोड़ रुपये की तुलना में 11.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली छमाही बनाम फाइनेंशियल ईयर 24 की दूसरी छमाही के लिए आधे की आधे तुलना में, कुल रेवेन्यू 5.80 प्रतिशत बढ़कर 476.69 करोड़ रुपये से 504.36 करोड़ रुपये हो गया। एबीटा 11.57 प्रतिशत बढ़कर 30.60 करोड़ रुपये से बढ़कर 34.14 करोड़ रुपये हो गया। शुद्ध लाभ में 24.34 प्रतिशत का सुधार हुआ और यह 9.04 करोड़ रुपये की तुलना में 11.24 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

सर्वेश्वर समूह के चेयरमैन, श्री रोहित गुप्ता ने कहा कि, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो इस वित्तीय वर्ष की पहली छमाही के दौरान बिक्री में 500 करोड़ रुपये को पार कर गई है - जो कंपनी के इतिहास में हमारी उच्चतम बिक्री है। यह शानदार परफॉर्मेंस प्रोडक्ट इनोवेशन के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता और ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स के प्रति बढ़ती उपभोक्ता जागरूकता को दर्शाता है। विशेष रूप से निम्बार्क ब्रांड के तहत हाई-क्वॉलिटी पेशकश विकसित करने पर हमारा स्ट्रेटिजिक फोकस स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं को पसंद आया है जो अपने भोजन में प्रामाणिकता और स्वाद चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि, हमारे उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता क्वॉलिटी और सस्टेनेबिलिटी के प्रति हमारे समर्पण का प्रमाण है। इसके अलावा, हम एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेस और इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के मिशन के साथ अपने किसानों को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, जिससे हमारी सप्लाई चेन मज़बूत हो रही है। जैसे-जैसे हम विकसित हो रहे हैं और बाज़ार की मांगों के अनुरूप ढल रहे हैं, मुझे विश्वास है कि हमारी इनोवेटिव अप्रोच आगे विकास को बढ़ावा देगी और सभी हितधारकों के निरंतर समर्थन से कृषि-खाद्य क्षेत्र में अग्रणी के रूप में हमारी स्थिति मज़बूत होगी।

कैगिसो रबाडा ने सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट का कीर्तिमान हासिल किया, वकार यूनिस का रिकॉर्ड तोड़ा

ढाका (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने सोमवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने 12,000 से कम गेंदों में 300 टेस्ट विकेट लेने वाले सबसे तेज गेंदबाज बन गए। तेज गेंदबाज ने मीरपुर के शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की। ??

दिन के पहले सत्र में मुशफिकुर रहीम का विकेट लेने के साथ ही रबाडा ने दिग्गज तेज गेंदबाज वकार यूनिस (12,602 गेंद) को पीछे छोड़ते हुए सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। उन्होंने पूर्व प्रोटियाज तेज गेंदबाज डेल स्टेन (12,605 गेंद) को भी पीछे छोड़ दिया। रबाडा लाल गेंद के प्रारूप में 300 विकेट पूरे करने वाले छठे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज बन गए। वह इस सूची में स्टेन, शॉन पोलक, मखाया एंटिनी,

एलन डोनाल्ड और मोर्ने मोर्कल के साथ शामिल हो गए।

मैचों के लिहाज से भारत के रविचंद्रन अश्विन 54 मैचों में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद सबसे तेज 300 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। इस बीच रबाडा का 39.3 का स्ट्राइक रेट 300 या उससे अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले सभी गेंदबाजों में सबसे ज्यादा है। अपना 65वां टेस्ट खेल रहे रबाडा ने 3-26 के आंकड़े के साथ वापसी की, जबकि वियान मुल्डर और केशव महाराज ने भी तीन-तीन विकेट चटकाए और बांग्लादेश को पहली पारी में 106 रन पर समेट दिया। इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन डेन पीट और मुल्डर ने शुरुआती झटके देकर फैसला उलटा कर दिया। बांग्लादेश शुरुआती झटकों से उबरने में नाकाम रहा और 41 ओवर में ही ढेर हो गया।

बांग्लादेश पहली पारी में 106 रन पर ऑलआउट

बांग्लादेश की टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ मीरपुर टेस्ट की पहली पारी में 106 रन पर ऑलआउट हो गई है। मुकाबले के पहले दिन सोमवार को बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी।टीम की ओर से ओपनर महमुदुल हसन जॉय ने सबसे ज्यादा 30 रन बनाए। टीम के 5 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। ओपनर शादमान इस्लाम 0, मोमिनुल हक 4, कप्तान नजमुल हसन शांतो 7, मुश्फिकुर रहीम 11, लिटन दास 1 और मेहदी हसन मिराज 13 रन बनाकर आउट हुए। कगिसो रबाडा, वियान मुल्डर और केशव महाराज को 3-3 विकेट मिले।

बाबर आजम, शाहीन अफरीदी जिम्बाब्वे सीरीज से होंगे बाहर; युवाओं को मौका देगा पीसीबी

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी बाबर आजम और शाहीन अफरीदी ऑस्ट्रेलियाई दौरे के बाद जिम्बाब्वे के व्हाइट-बॉल दौरे से बाहर होने वाले हैं। क्रिकेट पाकिस्तान डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता जिम्बाब्वे सीरीज के लिए वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम देने और युवा क्रिकेटरों को अवसर देने के इच्छुक हैं।

बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के साथ मोहम्मद रिजवान और नसीम शाह जैसे खिलाड़ियों को भी सीरीज के लिए आराम दिया जा सकता है। हालांकि इन सभी को जिम्बाब्वे से पहले खेली जाने वाली ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने जाने की संभावना है। पाकिस्तान को जिम्बाब्वे में तीन टी20 और तीन वनडे खेलने हैं, जिसमें पहला वनडे 24 नवंबर से शुरू होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी पाकिस्तान तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेगा और यह दौरा 4 नवंबर से शुरू होगा तथा अंतिम टी20 मैच 18 नवंबर को खेला जाएगा, जो जिम्बाब्वे सीरीज की शुरुआत से कुछ दिन पहले होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट हाल ही में उथल-पुथल से गुजर रहा है, क्योंकि टी20 विश्व कप और टेस्ट क्रिकेट में नतीजे उनके पक्ष में नहीं रहे हैं। प्रबंधन, नेतृत्व में कई बदलाव हुए हैं और पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद बाबर आजम और शाहीन अफरीदी के साथ नसीम शाह और सरफराज अहमद को टीम से बाहर कर दिया गया।

नई चयन समिति ने अपने स्टार खिलाड़ियों को बाहर करने का साहसिक निर्णय लिया और इसका सकारात्मक परिणाम सामने आया, जिसमें पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट जीता। अब वे पाकिस्तान क्रिकेट में प्रतिभाओं की संख्या बढ़ाने के इच्छुक हैं और जिम्बाब्वे सीरीज कुछ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले घरेलू खिलाड़ियों को आजमाने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करती है।

अमेरिकी गायक कृष्ण दास के कीर्तन में शामिल हुए विराट-अनुष्का

● पहला टेस्ट हारने के बाद बेंगलुरु से मुंबई पहुंचे

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा रविवार रात अमेरिकी गायक कृष्ण दास के कीर्तन में शामिल हुए। वे न्यूजीलैंड से बेंगलुरु टेस्ट हारने के बाद सीधे मुंबई के लिए रवाना हुए और समारोह में हिस्सा लिया।

इस समारोह के आयोजकों ने सोशल मीडिया में फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- विराट और अनुष्का मुंबई में कृष्णा दास लाइव में हमारे साथ शामिल हुए, आशीर्वाद लिया और शांत वातावरण का आनंद लिया। उनकी उपस्थिति ने सामूहिक भक्ति को और बढ़ा दिया, जिससे यह सभा और भी खास हो गई।

विराट कोहली ने बेंगलुरु टेस्ट में भारत की दूसरी पारी में 70 रन बनाए थे। वे तीसरे दिन की आखिरी बॉल पर आउट हुए थे। पहली पारी में वे खाता भी नहीं खोल सके थे।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता, धीरज हारे

टिलेक्सकला (मैक्सिको) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता। वह फाइनल में चीन की लि जियामैन से 0.6 से हार गई। दिसंबर 2022 में अपनी बेटी के जन्म के बाद विश्व कप फाइनल में लौटी चार बार की ओलंपियन दीपिका को आठ तीरंदाजों में तीसरी वरीयता मिली थी। सेमीफाइनल तक दीपिका को कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली जियामैन से हार गई। दीपिका नौवीं बार विश्व कप फाइनल खेल रही थी। भारत के लिए विश्व कप फाइनल में सिर्फ डोला बनर्जी ने स्वर्ण पदक जीता था जब दुबई में 2007 में वह अव्वल रही थी। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा 4.2 से आगे रहने के बावजूद पहले दौर में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक से हार गए। पांच सदस्यीय भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे। भारत की झोली में सिर्फ एक पदक गिरा। सेमीफाइनल में मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंशिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली दीपिका उस लय को कायम नहीं रख सकी। पहला सेट उसने एक अंक से (26 . 27) गंवाया। दूसरे सेट में वापसी की लेकिन ली ने 30.28 से जीता। तीसरे सेट में ली ने 27.25 से जीत दर्ज की। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज अकेले भारतीय चुनौती पेश कर रहे थे।

महिला टी20 विश्व कप जीतकर मालामाल हुई न्यूजीलैंड टीम

खिलाड़ियों में बांटे जाएंगे 2.3 मिलियन डॉलर

वेलिंगटन (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड 'व्हाइट फर्न्स' क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपए) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जाएगा। इससे टीम के प्रत्येक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपए) आएंगे।

पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले 'व्हाइट फर्न्स' ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे। न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को

शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गई। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया। फाइनल में 25 रन पर तीन विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमेरी मायेर ने कहा, 'इमानदारी से कहूं तो यह अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा, 'हम बस एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं। पिछले 18 महीनों में हम कई कठिनाइयों से गुजरे हैं और हम एक-दूसरे के साथ बने रहे और एक-दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करते रहे।

कप्तान के तौर पर सोफी डिवाइन का यह न्यूजीलैंड के लिए आखिरी मैच था। उन्होंने बेट्स के साथ 2009 से अब तक आयोजित सभी नौ टी20 विश्व कप में खेले हैं। न्यूजीलैंड 2009 और 2010 में पहले दो टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचा था। दोनों मौकों पर उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

बेट्स ने कहा, ''हमारे लिये यह सब कुछ है। जब आप टीम मैच खेलते हैं, तो आप विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हमने शीर्ष पर वापसी के लिए संघर्ष किया है। वह (डिवाइन) इस टीम का बहुत शानदार तरीके से नेतृत्व कर रही हैं। वह बहुत शांत स्वभाव की है और सभी खिलाड़ियों पर भरोसा करती है। हम शायद बाद में और भी लंबे समय तक गले मिलेंगे क्योंकि हमने एक साथ कुछ बुरे समय भी देखे हैं और यह बात सिर्फ हमारे ड्रेसिंग रूम के लोग ही समझ सकते हैं।

चेन्नई ग्रांडमास्टर्स शतरंज

अर्जुन होंगे टॉप सीड, फीडे सर्किट जीतकर कैंडिडेट में बना सकते है जगह

चेन्नई (एजेंसी)। पिछले वर्ष अपने पहले संसकरण से गुकेश के लिए फीडे कैंडिडेट का रास्ता खोलने वाला चेन्नई ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट इस बार फिर से 5 नवंबर से 11 नवंबर तक भारतीय खिलाड़ी विशेषकर अर्जुन के लिए एक बड़ा मौका लेकर आ रहा है । पिछले बार इसी टूर्नामेंट में गुकेश पहले और अर्जुन दूसरे स्थान पर थे और गुकेश नें फीडे सर्किट जीतकर फीडे कैंडिडेट में जगह बना ली थी और फिर उन्होने मार्च में कनाडा में कैंडिडेट जीतकर विश्व चैंपियनशिप खेलने की पात्रता हासिल कर ली ।

इस बार अभी तक दुनिया के वर्तमान नंबर 3 खिलाड़ी भारत के अर्जुन एरीगैसी फीडे सर्किट में 102 अंक लेकर सबसे आगे चल रहे है और अगर वह चेन्नई ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करते है तो उनके लिए कैंडिडेट में जगह पाने का सपना और करीब आ जाएगा ।

इस बार अर्जुन एरीगैसी (2797) के अलावा भारत से विदित गुजराती (2726) और अरविंद चितांबरम (2698)

भी इसमें भाग ले रहे है जबकि दुनिया के अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में यूएसए के लेवोन अरोनियन (2738), फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव (2735), और ईरान के परहम मघसूदलू (2719) जैसे नाम शामिल हैं।

इस बार टूर्नामेंट दो वर्गों में आयोजित हो रहा है , मास्टर्स वर्ग के अलावा चैलेंजर्स वर्ग इस साल का नया आकर्षण है। इसका उद्देश्य उभरती भारतीय प्रतिभाओं को मौका देना है। इसमें रौनक साधवानी (2659), अभिमन्यु पुराणिक (2639), कार्तिकेयन मुरली (2624), लियोन मेंडोंका (2622), प्रणव वी (2609), प्रणेश एम (2580), हरिका द्रोणावल्ली (2493), और आर. वैशाली (2486) जैसे खिलाड़ी भाग लेंगे। विजेता को अगले साल मास्टर्स वर्ग में खेलने का अवसर मिलेगा।

चेन्नई के मैदान पर गेंदबाजी करते दिखे मोहम्मद शमी, क्या खेलेंगे दूसरा टेस्ट ?

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने रविवार को बिना किसी परेशानी के नेट पर करीब एक घंटे तक गेंदबाजी की। शमी साल की शुरुआत में हुई टखने की सर्जरी से उबर रहे हैं। शमी ने यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत के पहले टेस्ट के बाद नेट सत्र में गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की निगरानी में गेंदबाजी की। इस 34 वर्षीय खिलाड़ी ने देश के लिए अपना पिछला मुकाबला 2023 में एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में खेला था। शमी ने अभ्यास के दौरान भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर को गेंदबाजी की। शमी के बाएं पैर में पट्टी बंधी थी।

खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को वीरेंद्र सहवाग की सलाह

अब उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि बाबर आजम को फॉर्म हासिल करने के लिए पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में वापस जाना चाहिए। उनका यह बयान बाबर के इस विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में अपने फॉर्म में काफी गिरावट के कारण आया है जिसमें पिछले साल पांच टेस्ट में उनका औसत 22.66 और 2024 में चार टेस्ट में उनका औसत 18.50 रहा।

पाकिस्तान ने मुल्तान में इंग्लैंड पर 152 रनों की जीत के साथ घरेलू टेस्ट में अपनी हार का सिलसिला खत्म किया। मैच से पहले मेजबान टीम के बहुत से बदलाव किए जिसमें बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को टीम से बाहर करना शामिल था। सहायक कोच अजहर महमूद ने बाद में कहा कि इन तीनों को पाकिस्तान के आगामी व्हाइट-बॉल दौरे के लिए आराम दिया गया है। यह निर्णय सही साबित हुआ और इससे बाबर के भविष्य को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

सहवाग ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनल पर कहा, बाबर आजम को अब घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्हें अपनी फिटनेस पर काम करना चाहिए, परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहिए, फिर शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से मजबूत खिलाड़ी के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करनी चाहिए।

2023 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बाबर को पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के कप्तान के पद से हटा दिया गया था। इसके बाद उन्हें शाहीन अफरीदी द्वारा पाकिस्तान के नए टी20 कप्तान के रूप में इस साल मार्च में कप्तान बनाए जाने के बाद सीमित ओवरों के कप्तान के रूप में बहाल किया गया, इससे पहले अक्टूबर में टी20 विश्व कप में एक और निराशाजनक प्रदर्शन के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था।

सहवाग ने कहा कि इन सभी कारकों ने बाबर को प्रभावित किया है, जिसका अर्थ है कि उनके खराब फॉर्म के पीछे का कारण उनकी मानसिक बनावट है न कि कोई तकनीकी कमी। सहवाग ने कहा, बाबर से उम्मीदें कम होने और कप्तानी से उनके इस्तीफे के साथ, ऐसा लगता है कि तकनीक के मामले में उन पर मानसिक रूप से अधिक प्रभाव पड़ा है। उन्हें मानसिक रूप से मजबूत रहने की जरूरत है।

केएल राहुल बनाम सरफराज खान, रोहित शर्मा ने कहा- 'यह बहुत सरल है'

बेंगलूर (एजेंसी)। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिया कि वे पुणे में गुरुवार 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे मैच के लिए बदलाव कर सकते हैं। पहले टेस्ट में 46 रन पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में रोहित और उनकी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद न्यूजीलैंड ने 1988 के बाद से भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जसप्रीत बुमराह (2/29) ने भारत के लिए प्रदर्शन किया लेकिन विल यंग (48*) और रचिन रवींद्र (39*) ने मेहमान टीम को सीरीज में 1-0 की बढ़त दिला दी।

गर्दन में अकड़न के कारण सीरीज के पहले मैच के लिए शुभमन गिल को बाहर

करना पड़ा। उनकी जगह लेने वाले सरफराज अहमद पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 150 रन बनाकर लौटे। बेंगलुरू में हार के बाद रोहित ने पुष्टि की कि गिल पहले टेस्ट से चूकने के बाद ठीक हैं। उन्होंने संकेत दिया कि युवा बल्लेबाज दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 में वापस आ सकते हैं। उस स्थिति में भारत सरफराज या अनुभवी केएल राहुल में से किसी एक को बाहर कर सकता है, जो एक बार फिर नंबर 6 स्थान पर अपना स्थान बनाने में विफल रहे।

केएल राहुल बनाम सरफराज खान बहस के बीच रोहित ने राहुल, गिल और सरफराज से जुड़ी स्थिति को संबोधित किया। भारतीय कप्तान ने जोर देकर कहा कि टीम में हर कोई जानता है कि वे अपने करियर में कहां खड़े हैं और उन्हें क्या करने की जरूरत है। भारतीय कप्तान ने कहा, देखिए, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो हर मैच के बाद लोगों से बात करता हो। उन्हें पता है कि वे अपने खेल में कहां खड़े हैं, अपने करियर में कहां खड़े हैं। हम एक मैच, एक सीरीज के आधार पर अपनी मानसिकता नहीं बदलते। संदेश काफी पहले ही दिए जाते हैं और उन्हें पता होता है कि वे कहां खड़े हैं और टीम की स्थिति क्या है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनसे जो बात कर रहा हूं, उससे अलग कुछ बात करने जा रहा हूं।

उन्होंने कहा, यह बहुत सरल है, जिस किसी को भी अवसर मिलता है, उसे खेल पर प्रभाव डालने की कोशिश करनी चाहिए। यह एक सरल संदेश है जिसके बारे में हम बात करते रहते हैं और इस तरह के खिलाड़ियों का खेल खेलने के लिए इंतजार करना हमेशा अच्छा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि शुभमन इस खेल से चूक गए, सरफराज को अवसर मिला और उन्होंने बड़ा शतक बनाया। यह टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।

सुल्तान जोहोर कप : भारत ने ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराया जोहोर

बाहरू (मलेशिया) (एजेंसी)। दिलराज सिंह और शारदा नंद तिवारी के 2-2 गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन को 6-4 से हराकर सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखा। मोहम्मद कोनैन दाद (7वें मिनट) ने भारत का खाता खोला। इसके बाद दिलराज (17वें, 50वें मिनट), शारदा नंद (20वें, 50वें मिनट) ने गोल किए। इसके अलावा मनमीत सिंह (26वें मिनट) ने भी भारत की तरफ से गोल किया। ब्रिटेन की तरफ से रोरी पेनरोज (दूसरे, 15वें मिनट) और माइकल रॉयडेन (46वें, 59वें मिनट) ने 2-2 गोल करके मैच को रोमांचक बनाए रखा।

भारत ने शनिवार को जापान को हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया था। उसने अपनी वही लय बनाए रखी। लेकिन वह ब्रिटेन था जिसने पहला गोल किया। उसकी तरफ से खेल के दूसरे मिनट में ही पेनरोज ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला।

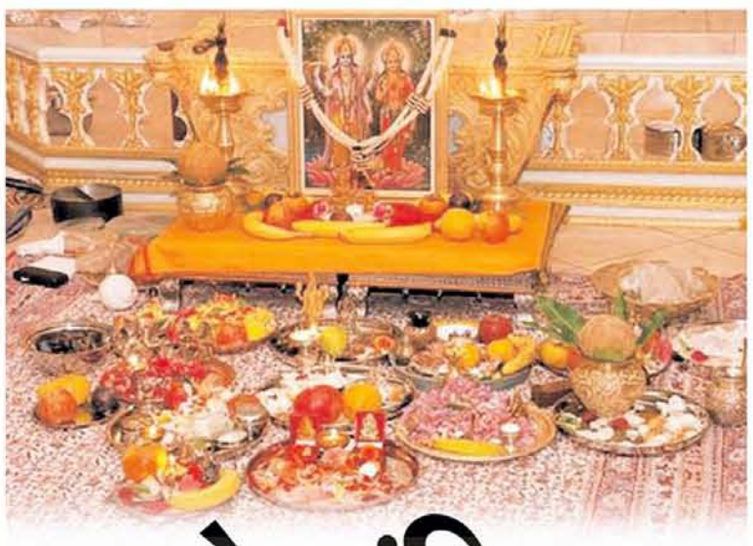

घर के मंदिर में ध्यान रखनी चाहिए यह बातें

देवी-देवताओं का पूजन करने से दुख-दर्द तो दूर होते हैं, साथ ही शांति भी मिलती है। इसी कारण पुराने समय से ही पूजन की परंपरा चली आ रही है। जिन घरों में हर रोज पूजा की जाती है, वहां का वातावरण सकारात्मक और पवित्र रहता है। दरिद्रता दूर रहती है। दीपक और अगरबत्ती के धुएं से स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले सूक्ष्म कीटाणु भी मर जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार पूजन के लिए कई आवश्यक नियम बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करते हुए पूजा करने पर श्रेष्ठ फल प्राप्त होते हैं। महालक्ष्मी सहित सभी देवी-देवताओं की कृपा मिलती है। यहां जानिए 20 नियम जो कि घर के मंदिर में पूजा करते समय ध्यान रखना चाहिए

- सभी प्रकार की पूजा में चावल विशेष रूप से चढ़ाए जाते हैं। पूजन के लिए ऐसे चावल का उपयोग करना चाहिए जो अखंडित (पूरे चावल) हो यानी टूटे हुए ना हो। चावल चढ़ाने से पहले इन्हें हल्दी से पीला करना बहुत शुभ माना गया है। इसके लिए थोड़े से पानी में हल्दी घोल लें और उस घोल में चावल को डूबोकर पीला किया जा सकता है।
- पूजन में पान का पत्ता भी रखना चाहिए। ध्यान रखें पान के पत्ते के साथ इलाइची, लौंग, गुलकंद आदि भी चढ़ाना चाहिए। पूरा बना हुआ पान चढ़ाएंगे तो श्रेष्ठ रहेगा।
- पूजन कर्म में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि पूजा के बीच में दीपक बुझना नहीं चाहिए। ऐसा होने पर पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं हो पाता है।
- किसी भी भगवान के पूजन में उनका आवाहन (आमंत्रित करना) करना, ध्यान करना, आसन देना, स्नान करवाना, धूप-दीप जलाना, अक्षत (चावल), कुमकुम, चंदन, पुष्प (फूल), प्रसाद आदि अनिवार्य रूप से होना चाहिए।
- देवी-देवताओं को हार-फूल, पत्तियां आदि अर्पित करने से पहले एक बार साफ पानी से अवश्य धो लेना चाहिए।
- भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए पीले रंग का रेशमी कपड़ा चढ़ाना चाहिए। माता दुर्गा, सूर्यदेव व श्रीगणेश को प्रसन्न करने के लिए लाल रंग का, भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए सफेद वस्त्र अर्पित करना चाहिए।
- किसी भी प्रकार के पूजन में कुल देवता, कुल देवी, घर के वास्तु देवता, ग्राम देवता आदि का ध्यान करना भी आवश्यक है। इन सभी का पूजन भी करना चाहिए।
- पूजन में हम जिस आसन पर बैठते हैं, उसे पैरों से इधर-उधर खिसकाना नहीं चाहिए। आसन को हाथों से ही खिसकाना चाहिए।
- यदि आप प्रतिदिन घी का एक दीपक भी घर में जलाएंगे तो घर के कई वास्तु दोष भी दूर हो जाएंगे।
- सूर्य, गणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु, ये पंचदेव कहलाते हैं, इनकी पूजा सभी कार्यों में अनिवार्य रूप से की जानी चाहिए। प्रतिदिन पूजन करते समय इन पंचदेव का ध्यान करना चाहिए। इससे लक्ष्मी कृपा और समृद्धि प्राप्त होती है
- तुलसी के पत्तों को 11 दिनों तक बासी नहीं माना जाता है। इसकी पत्तियों पर हर रोज जल छिड़कर पुन: भगवान को अर्पित किया जा सकता है।
- दीपक हमेशा भगवान की प्रतिमा के ठीक सामने लगाना चाहिए। कभी-कभी भगवान की प्रतिमा के सामने दीपक न लगाकर इधर-उधर लगा दिया जाता है, जबकि यह सही नहीं है।
- घी के दीपक के लिए सफेद रुई की बत्ती उपयोग किया जाना चाहिए। जबकि तेल के दीपक के लिए लाल धागे की बत्ती श्रेष्ठ बताई गई है।
- पूजन में कभी भी खंडित दीपक नहीं जलाना चाहिए। धार्मिक कार्यों में खंडित सामग्री शुभ नहीं मानी जाती है।
- शिवजी को बिल्व पत्र अवश्य चढ़ाएं और किसी भी पूजा में मनोकामना की सफलता के लिए अपनी इच्छा के अनुसार भगवान को दक्षिणा अवश्य चढ़ानी चाहिए, दान करना चाहिए। दक्षिणा अर्पित करते समय अपने दोषों को छोड़ने का संकल्प लेना चाहिए। दोषों को जल्दी से जल्दी छोड़ने पर मनोकामनाएं अवश्य पूर्ण होंगी।
- भगवान सूर्य की 7, श्रीगणेश की 3, विष्णुजी की 4 और शिवजी की 1/2 परिक्रमा करनी चाहिए।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। इन सभी की पूरी जानकारी किसी ब्राह्मण (पंडित) से प्राप्त की जा सकती है। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।
- घर में पूजन स्थल के ऊपर कोई कबाड़ या भारी चीज न रखें।
- भगवान शिव को हल्दी नहीं चढ़ाना चाहिए और न ही शंख से जल चढ़ाना चाहिए।
- पूजन स्थल पर पवित्रता का ध्यान रखें। चप्पल पहनकर कोई मंदिर तक नहीं जाना चाहिए। चमड़े का बेल्ट या पर्स अपने पास रखकर पूजा न करें। पूजन स्थल पर कचरा इत्यादि न जमा हो पाए।

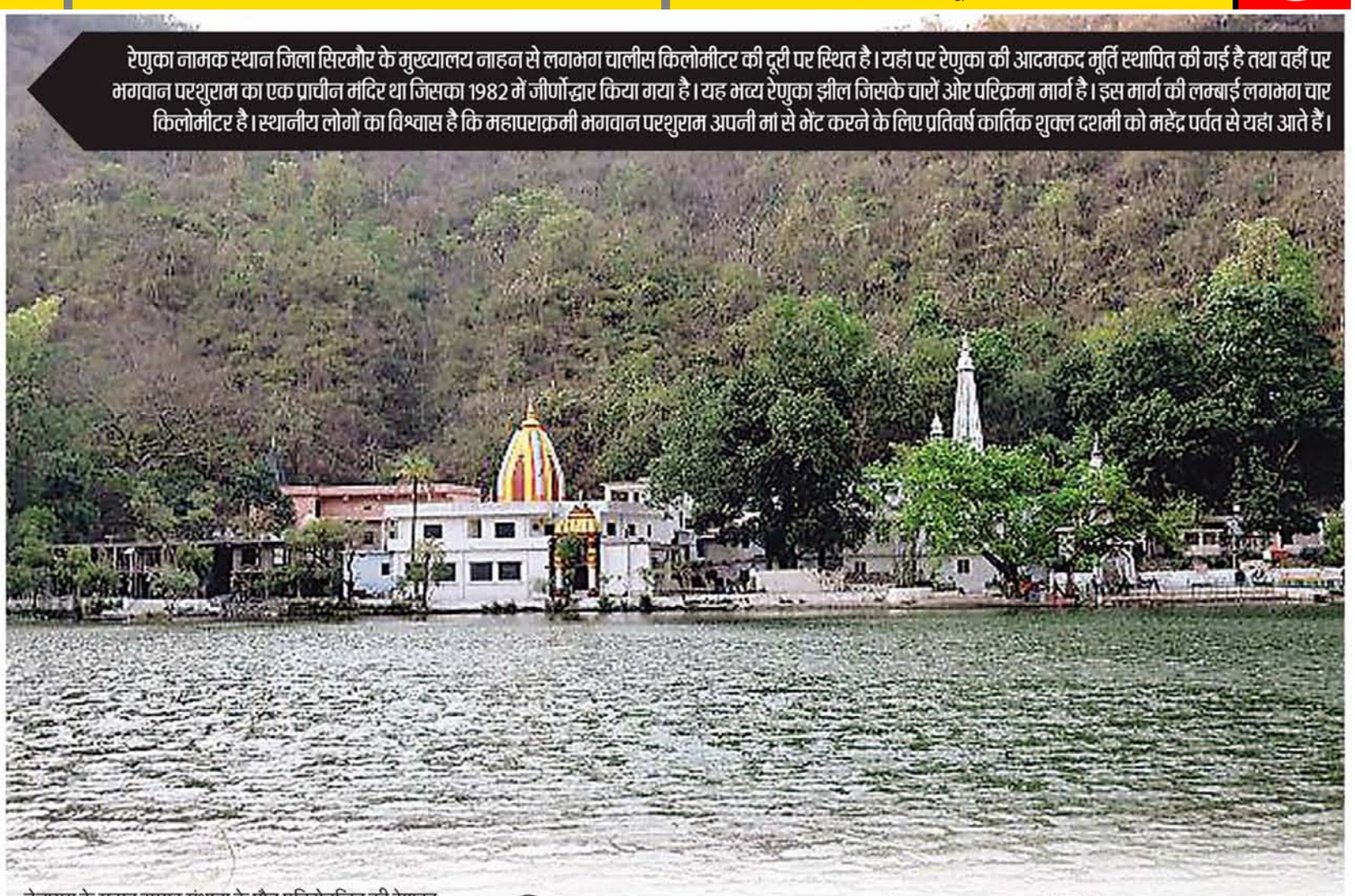

रेणुका नामक स्थान जिला सिरमौर के मुख्यालय नाहन से लगभग चालीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां पर रेणुका की आदमकद मूर्ति स्थापित की गई है तथा वहीं पर भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर था जिसका 1982 में जीर्णोद्धार किया गया है। यह भव्य रेणुका झील जिसके चारों ओर परिक्रमा मार्ग है। इस मार्ग की लम्बाई लगभग चार किलोमीटर है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि महापराक्रमी भगवान परशुराम अपनी मां से भेंट करने के लिए प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल दशमी को महेंद्र पर्वत से यहां आते हैं।

भगवान परशुराम अपनी मां से भेंट करने प्रतिवर्ष आते हैं रेणुका झील

त्रेतायुग के महान सम्राट मंधाता के पौत्र प्रतिसेनजित की रेणुका और बेणुका नाम की दो अत्यंत रूपवती कन्याएं थीं। राजा को अपने धन-वैभव पर बहुत अहंकार था तथा उन्होंने एक दिन अपनी दोनों पुत्रियों से पूछा कि तुम किसका दिया खाती हो। बेणुका ने तो कह दिया कि पिता जी हम तो आपका दिया खाती हैं मगर रेणुका बोली कि हम सब परमात्मा का दिया खाते हैं। राजा बेणुका के उत्तर से तो प्रसन्न हुआ मगर रेणुका के उत्तर से उसके अहंकार को ठेस लगी। प्रतिकार स्वरूप उसने बेणुका का विवाह तो तत्कालीन अत्यधिक पराक्रमी सम्राट सहस्रबाहु अर्जुन के साथ किया मगर रेणुका का विवाह निर्धन तपस्वी भृगुवंशीय जमदग्नि के साथ किया। इन्हीं जमदग्नि एवं रेणुका के यहां महापराक्रमी भगवान श्री परशुराम जी का जन्म बैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) को हुआ। इनका बचपन का नाम राम था तथा यह अपने भाइयों रुमण्वान, सुषेण, वसु और विश्वावसु में सबसे छोटे थे। ब्राह्मण कुल में पैदा होने पर भी बचपन से ही इनके संस्कार क्षत्रियों जैसे थे। यह अत्यधिक पराक्रमी और साहसी थे और सदा अपने हाथ में एक फरसा लिए रहते थे जिसके कारण उनका नाम 'परशुराम' पड़ गया। सहस्रबाहु अपनी शक्ति का प्रयोग जनता के दमन के लिए करते थे। वह तपस्वी लोगों का भी उत्पीडन करते थे इसलिए साधु, संत तथा तपस्वी भी उनके राज्य से धीरे-धीरे पलायन करने लगे। तपस्वी जमदग्नि भी उनका राज्य छोड़ कर अपनी पत्नी रेणुका के साथ हिमाचल प्रदेश के ददाहु के पास तपे टीले पर आ बसे। यहीं जमदग्नि ने घोर तप किया इसलिए इसे 'तपे का टीला' कहा जाता है। जमदग्नि के नाम से इसे 'जामू टीला' भी कहा जाता है मगर आजकल यह स्थान 'जमदग्नि टिब्बा' नाम से प्रसिद्ध हो गया है। जामू टीले से डेढ़-दो किलोमीटर नीचे जामू ग्राम पड़ता है जहां ऋषि दम्पति रहते थे तथा पांचवें पुत्र परशुराम जी का जन्म भी यहीं पर आकर हुआ था। परशुराम जी आश्रमवासी ऋषि के पुत्र थे मगर फिर भी वह अपने दायित्व के प्रति जागरूक रहे। निश्चित रूप से वह अहिंसक वृत्ति वाली आश्रम संस्कृति की उपज थे मगर वह यह भी जानते थे कि दुष्टों का नाश करने के लिए हिंसा का सहारा लेना आवश्यक है। वह योगीराज श्रीकृष्ण तथा मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की परम्परा के ही पोषक थे और यथायोग्य व्यवहार करना उनका सिद्धांत था इसलिए उन्होंने अत्याचारी शासकों का नाश करने का बीड़ा उठाया जो पूजा-अर्चना, वेद-पाठ एवं हवन-यज्ञ आदि के विध्वंस में लगे हुए थे। ब्राह्मण संस्कृति का इस प्रकार से विनाश किया जाना परशुराम को मान्य नहीं था। वह आर्य संस्कृति के पोषक थे। अत्याचारी शासकों के विनाश और अपने मां-बाप का सच्चा श्राद्ध करके इस महापराक्रमी योद्धा ने असम राज्य की पूर्वी सीमा पर जहां से ब्रह्मपुत्र नदी भारत में प्रवेश करती है, अपने फरसे का त्याग कर दिया और महेंद्र पर्वत पर आश्रम बनाकर अपना जीवन योग-ध्यान में व्यतीत करने लगे। जब श्रीराम ने सीता के स्वयंवर में शिव धनुष तोड़ा तो परशुराम अत्यधिक क्रोधित होकर पुनः आ गए मगर श्रीराम की आध्यात्मिकता एवं मर्यादाओं से अवगत होने के बाद वह शांत हो गए। रेणुका नामक स्थान जिला सिरमौर के मुख्यालय नाहन से लगभग चालीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां पर रेणुका की आदमकद मूर्ति स्थापित की गई है तथा वहीं पर भगवान परशुराम का एक प्राचीन मंदिर था जिसका 1982 में जीर्णोद्धार किया गया है। यह भव्य रेणुका झील जिसके चारों ओर परिक्रमा मार्ग है। इस मार्ग की लम्बाई लगभग चार किलोमीटर है। डंडोर नामक गांव के पुजारी पूजा-अर्चना का कार्य निभाते हैं। रेणुका झील के साथ ही नीचे की ओर परशुराम ताल है। कहते हैं कि जनसाधारण को सहस्रबाहु से मुक्ति दिलाने के लिए भगवान परशुराम ने एक बहुत बड़ा यज्ञ किया था। बाद में हवन कुंड रेणुका झील के पानी से भर गया। इसी को परशुराम ताल कहा जाता है। स्थानीय लोगों का विश्वास है कि महापराक्रमी भगवान परशुराम अपनी मां से भेंट करने के लिए प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल दशमी को महेंद्र पर्वत से यहां आते हैं। दीपावली के दस दिन बाद यहां पर बहुत विशाल मेला लगता है जो पूर्णिमा तक चलता है। स्थानीय देवता भी अपने-अपने रथ पर रेणुका मेले में आकर मेले की शोभा बढ़ाते हैं। पालकी पर भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकाली जाती है जो देखते ही बनती है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस मेले को राज्य स्तरीय घोषित किया है।

खंडित शिवलिंग की पूजा हो सकती है पर खंडित शिव मूर्ति की नहीं?

भगवान भोलेनाथ की दो रूपों में पूजा की जाती है मूर्ति रूप और शिवलिंग रूप में। महादेव का मूर्तिपूजन भी श्रेष्ठ है लेकिन लिंग पूजन सर्वश्रेष्ठ है माना जाता है। हमारे शास्त्रों द्वारा शिवजी सहित किसी भी देवी देवता की खंडित, टूटी-फूटी मूर्ति का पूजन निषेध है तथा ऐसी मूर्तियों को पूजा घर में रखने की मनाही है। लेकिन शिवलिंग एक अपवाद है। शास्त्रों के अनुसार शिवजी का प्रतीक शिवलिंग कहीं से टूट जाने पर भी खंडित नहीं माना जाता। शिवलिंग चाहे कितना ही खंडित हो जाए वो सदैव ही पवित्र और पूजनीय माना जाता है। ऐसा इसलिए है कि भगवान शिव ब्रह्मरूप होने के कारण निष्कल अर्थात निराकार कहे गए हैं। भोलेनाथ का कोई रूप नहीं है उनका कोई आकार नहीं है वे निराकार हैं। महादेव का ना तो आदि है और ना ही अंत। लिंग को शिवजी का निराकार रूप ही माना जाता है। जबकि शिव मूर्ति को उनका साकार रूप। केवल शिव ही निराकार लिंग के रूप में पूजे जाते है। इस रूप में समस्त ब्रह्मांड का पूजन हो जाता है क्योंकि वे ही समस्त जगत के मूल कारण माने गए हैं। शिवलिंग बहुत ज्यादा टूट जाने पर भी पूजनीय है। अत: हर परिस्थिति में शिवलिंग का पूजन सभी मनोकामनाओं को पूरा करने वाला जाता है। शास्त्रों के अनुसार शिवलिंग का पूजन किसी भी दिशा से किया जा सकता है लेकिन पूजन करते वक्त भक्त का मुंह उत्तर दिशा की ओर हो तो वह सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

हनुमान जी का अनूठा मंदिर दुश्मनों का नाश करने के लिए लगाई जाती है अर्जी

भारत में ही नहीं संपूर्ण विश्व में हनुमान जी के बहुत सारे मंदिर हैं। जहां वह अपने भक्तों की मनचाही इच्छाएं पूर्ण करते हैं। भिंड शहर के इटावा रोड से कॉटनजीन को जाने वाले रोड के किनारे पर श्री मंशापूर्ण हनुमान जी का मंदिर है। जिससे स्थापित हुए लगभग 60 वर्ष हुए हैं। इससे पहले यहां छोटा सा मंदिर था और हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित थी। जो पशु अस्पताल के एक कर्मचारी ने विराजित करवाई थी। वर्तमान समय में मंदिर ने आलीशान और शानदार रूप ले लिया है। हनुमान जी के साथ श्रीसीताराम, लक्ष्मण, श्रीहरि विष्णु के संग देवी लक्ष्मी, श्रीराधाकृष्ण और शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठित है। इस मंदिर में हनुमान जी को लिखे जाते हैं प्रार्थना पत्र, मांगी जाती हैं अजब-गजब मन्नतें। मंशापूर्ण हनुमान जी के पास आते हैं ऐसे प्रार्थना पत्र - शादियों का मौसम आरंभ होने वाला है, मेरी शादी करवा दो। मैं अन्य लोगों से कुछ हट कर हूं। मेरी नौकरी लगवा दो। मेरे परिवार को एक कर दो, उजड़े संसार को फिर से बसा दो। जो कोई हमें हानि पहुंचाने की कोशिश करे उसका नाश कर दो। वो सदा-सदा के लिए मेरा हो जाए, उस लड़की से हमेशा के लिए उसे दूर कर दो। मुझे पास करवा दो भगवान। मुझे क्लास का मॉनिटर बना दो। मेरे तीनों दुश्मनों का सर्वनाश कर देना। पेपर में अच्छे मार्क्स देना, 80 परसेंट तो दिलवा देना प्लीज। मेरी जानू मुझे छोड़कर चली गई है, उसे हमेशा खुश रखना। मैं और मेरा प्यार सदा के लिए एक हो जाएं। प्रत्येक वर्ष यहां सैकड़ों ऐसी अर्जियां हनुमान जी के दरबार में आती हैं। कुछ अजब गजब किस्म की प्रार्थनाएं भी होती हैं। जिनमें लोग अपने दुश्मन का नाम लिखकर उनका सर्वनाश करने की बात भी कहते हैं।

मन को ईश्वर की ओर मोड़ने से पहले ध्यान रखें यह बात

जन्म-जन्मांतर से हमारे मन पर संस्कारों की परत जमती रहती है। उससे बेखबर हम जीवन के क्रियाकलापों में उलझे रहते हैं। अचानक कहीं से उड़ता हुआ कोई बीज आकर गिरता है और ज्ञान का अंकुर फूट पड़ता है। तुलसीदास को पत्नी रत्नावली की फटकार ने ही चिंगारी दिखाई। सूरदास माधव से उबार लेने की चिरौरी करते। एक दिन आचार्य वल्लभ ने उन्हें आत्म भत्सर्ना से लीला के उत्सव की ओर मोड़ दिया। उन्होंने पूछा, शूर होकर घिघियाते क्यों हो बस फिर सूरदास के सामने कृष्ण लीला की सुंदर से सुंदर झाकियां खुलने लगीं। पंजाब के महान सूफी संत थे बुल्ले शाह। उनके पिता मस्जिद में मौलवी थे। सैयद वंश के होने के कारण उनका संबंध हजरत मुहम्मद से था। अरबी, फारसी के विद्वान थे। शास्त्र अध्ययन तो गहन था परंतु परमात्मा के दर्शन का मार्ग नहीं मिल रहा था। इसी खोज में वे सूफी फकीर हजरत इनायत शाह कादरी तक पहुंच गए। वह पहुंचे तो इनायत शाह प्याज के पौधे लगाने में मग्न थे, उन्हें आहट सुनाई नहीं पड़ी। बुल्ले शाह उन्हें अपने आध्यात्मिक अभ्यास से प्रभावित करना चाहते थे। इसलिए आसपास लगे आम से लदे पेड़ों की ओर ध्यान लगाकर देखा। आम टपाटप गिरने लगे।

शाह ने पूछा, आम क्यों गिराए?

बुल्ले शाह ने कहा, साईं! न तो मैं पेड़ों पर चढ़ा न कंकड़ फेंका, भला मैं आम कैसे तोड़ सकता हूं।

साईं ने कहा, तू तो चोर भी है और चतुर भी।

बस शिष्य उनके चरणों पर लोट गया। साईं ने आने का उद्देश्य पूछा। उनके यह कहने पर कि रब को पाना चाहता हूं तो साईं ने कहा, उठ मेरी तरफ देख।

वह बोले, बुल्लेया रब दा कि पौणा, एदरों पुटना ते ओदर लौणा (ईश्वर की प्राप्ति ऐसे ही जैसे एक पौधा इधर से उखाड़ उधर लगा देना)।

फिर क्या था। बुल्ले शाह ने मन को संसार से हटा कर ईश्वर की ओर मोड़ लिया। ईश्वर को गुरु में ही देखने लगे।

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर पहुंचे मुंबई, ऋतिक के साथ शूट करेंगे वॉर-2 का धमाकेदार क्लाइमैक्स

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी फिल्म देवरा के कारण चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स पर बहुत अच्छा प्रदर्शन तो नहीं कर पाई है लेकिन इसके बावजूद उनके हौसले बुलंद हैं। हाल ही में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, वह बड़े ही सादे अंदाज में नजर आए। टाइट सिक्योरिटी के बीच जूनियर एनटीआर एयरपोर्ट से बाहर निकले।

दरअसल, जूनियर एनटीआर मुंबई फिल्म वॉर-2 के क्लाइमैक्स शूट के लिए पहुंचे हैं, यह उनकी बॉलीवुड में डेब्यू फिल्म होने वाली है। जिसमें वह ऋतिक रोशन के साथ नजर आएंगे। वह लगभग 20 दिन तक इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में करने वाले हैं।

देखने को मिलेगी ऋतिक रोशन के साथ टक्कर जूनियर एनटीआर साउथ की अपनी फिल्मों में बेहतरीन एक्शन सीन करने के लिए जाने जाते हैं। उनके एक्शन सींस पर साउथ के थिएटर में खूब तालियां बजती हैं। वैसे हिंदी पट्टी के दर्शक भी उनकी एक्शन फिल्मों के दीवाने हैं, यहां पर भी उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन करती हैं। वहीं बॉलीवुड में ऋतिक रोशन भी एक्शन जॉनर में एक मंझे हुए कलाकार हैं। वह अब तक कई एक्शन फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन कर चुके हैं। इन दोनों कमाल के एक्शन स्टार्स को फिल्म वॉर-2 में साथ देखना, दर्शकों के लिए कमाल का अनुभव होगा।

ऋतिक भी कर रहे हैं एक्शन शूट के लिए तैयारी

फिल्म वॉर-2 में जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन का आमना-सामना होगा तो दोनों को ही अपनी स्क्रीन प्रेजेंस को स्ट्रॉन्ग बनाना होगा। इसके लिए जूनियर एनटीआर तो तैयारी कर ही रहे हैं, वहीं ऋतिक रोशन भी काफी मेहनत कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार इस फिल्म के क्लाइमैक्स शूट के लिए ऋतिक रोशन एक खास किस्म का डाइट प्लान अपना रहे हैं। साथ ही जिम में भी खूब वर्कआउट कर रहे हैं। असल में वह खुद को एक्शन करते हुए बिल्कुल फिट दिखाना चाहते हैं।

अभी से होने लगी है तुलना

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर को साथ देखने के लिए दर्शक जरूर बेताब हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर दोनों एक्टर्स की तुलना भी होने लगी है। लेकिन इस तुलना पर जूनियर एनटीआर का कहना है, मैं ऋतिक की तुलना में कुछ भी नहीं हूं। वह एक बेहतरीन कलाकार हैं।

इंस्टाग्राम पर बढ़ती लोकप्रियता पर श्रद्धा कपूर गदगद

श्रद्धा कपूर फिल्मों में बेहतरीन अभिनय करने के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उनकी फिल्म स्त्री-2 भी काफी चर्चा में रही, इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा बिजनेस किया। फिल्म में उनके अभिनय से समीक्षक और दर्शक दोनों ही प्रभावित हुए। एक तरफ श्रद्धा जहां अपनी एक्टिंग के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने की कोशिश करती हैं। वहीं सोशल मीडिया पर भी अपने फैंस से कनेक्ट रहती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोइंग की बात की जाए तो उन्हें 9 करोड़ 36 लाख लोग फॉलो करते हैं। इस तरह से वह इंस्टाग्राम पर सबसे ज्यादा फॉलो की जाने वाली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। इस उपलब्धि के बारे में श्रद्धा कहती हैं कि वह खुद को इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रियल रखने की कोशिश करती हैं। वह कहती हैं, मैंने सोचा भी नहीं था कि सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा फॉलोअर होना इतनी बड़ी बात होगी। दरअसल, लोग हमें ज्यादा से ज्यादा देखना चाहते हैं, इसलिए जितना हो सके, उतना रियल रहना चाहिए। जो आप हैं, वह सोशल मीडिया पर दिखाना चाहिए। इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वह अपने फैंस के साथ कनेक्ट भी होती हैं, कमेंट सेक्शन में उनकी बातों के जवाब भी देती हैं। इस तरह अपने फैंस से कनेक्ट रहने के कारण ही, उनकी फैन फॉलोइंग लगातार बढ़ती रहती है। श्रद्धा कहती हैं, इंस्टाग्राम के कमेंट सेक्शन में बहुत ही एंटरटेनिंग लोग होते हैं, मुझे उनके कमेंट पढ़कर बड़ा मजा आता है। श्रद्धा समय-समय पर इंस्टाग्राम पर अपनी लाइफ से जुड़ी अपडेट और फोटो शेयर करती रहती हैं। अपनी फिल्मों से जुड़ी जानकारी भी देती हैं। वह अपनी लाइफ से जुड़ी बातें और खुशियां भी दर्शकों से साथ साझा करती हैं। श्रद्धा इंस्टाग्राम पर फनी रील्स भी बनाकर डालती हैं, इसमें उनका मस्ती भरा अंदाज नजर आता है। जिसे उनके फैंस काफी एंज्वॉय करते हैं और उनकी रील्स को खूब लाइक और शेयर करते हैं, उस पर कमेंट भी करते हैं।

मुझे पर्दे पर पुलिस की वर्दी पहन जिम्मेदारी का अहसास हुआ

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल अपनी बेहतरीन एक्टिंग के अलावा बेबाक अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। काजोल जल्द ही फिल्म दो पत्ती में नजर आने वाली हैं, जिसमें वो पहली बार पुलिस के रोल में दिखेंगी। इस फिल्म में एक्ट्रेस कृति सेनन भी डबल रोल है। ऐसे में, काजोल ने एक इवेंट में पहली बार पुलिस का किरदार करने और फिल्म दिलवाले के बाद दोबारा कृति के साथ काम करने को लेकर बात की।यूनिफॉर्म वाले रोल पर चड्डद्रश्ध्द ने कहा, यह काफी इंट्रेस्टिंग रहा। मैंने इतने सालों तक काम किया है और हम जब भी कोई कॉस्ट्यूम पहनते हैं, वो मुझे यूनिफॉर्म ही लगता है, चाहे वो साड़ी हो, सलवार सूट हो या पैंट हो, क्योंकि हम दूसरों के कपड़े पहनते हैं, लेकिन जब आप असल वर्दी पहनते हैं तो एक अलग ही अनुभव होता है।

जिम्मेदारी का अहसास होता है

काजोल ने आगे कहा, एक ताकत, एक जिम्मेदारी का अहसास होता है। सम्मान महसूस होता है, खुद के लिए और असल जिंदगी के वर्दीधारकों के लिए, तो मैंने अजय देवगन (काजोल के पति, जो सिंघम जैसे कड़क कॉप के रोल के लिए मशहूर हैं) से नहीं पूछा उनको कैसा लगता है, पर मुझे ऐसा अनुभव हुआ।

कृति की तारीफों के बांधे पुल

वहीं, कृति के साथ दोबारा काम करने को लेकर काजोल का कहना था, असल में, दिलवाले में हम दोनों के साथ में ज्यादा सीन नहीं थे, लेकिन इस फिल्म में काफी सीन साथ में थे। यहां एक नहीं, दो-दो कृति थी और मैं कहना चाहूंगी कि दिलवाले से अब तक बतौर एक्टर उनकी ग्रोथ कमाल रही है। इस दौरान वह केवल ऊपर, ऊपर और ऊपर बढ़ी हैं, नेशनल अवार्ड भी जीत चुकी हैं, यह बहुत बड़ी बात है, जिसके लिए वह तारीफ के काबिल हैं।

हनुमान के निर्देशक प्रशांत वर्मा के साथ काम करेंगे प्रभास?

फिल्म हनुमान से सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म पाने वाले प्रशांत वर्मा फिलहाल दो प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। प्रशांत वर्मा ने हनुमान फिल्म का सीक्वल जय हनुमान भी तैयार किया है। अब उस फिल्म को लेकर ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि फिल्म जय हनुमान में ऋषभ शेट्टी हनुमान और यश श्री राम की भूमिका में हैं। इसके साथ ही यह खबर है कि इन दोनों फिल्मों के बाद प्रशांत वर्मा प्रभास के साथ एक फिल्म करना चाहते हैं।

प्रभास के पास फिल्मों की कतार

पैन इंडिया स्टार प्रभास फिलहाल रोमांटिक हॉरर कॉमेडी द राजा साब की शूटिंग में व्यस्त हैं। मारुति द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2025 की गर्मियों में रिलीज होने वाली है। द राजा साब के बाद प्रभास हनु राघवपुडी की अनाम फिल्म और संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट पर काम करना शुरू करेंगे।
फिल्म की कहानी पर हुई चर्चा
रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की स्टोरी लाइन पर प्रशांत की प्रभास के सह चर्चा हो चुकी है और अभिनेता ने इस पर चर्चा भी कर ली है। यह फिल्म प्रशांत वर्मा के सिनेमाई ब्रह्मांड का हिस्सा होगी, जिसमें प्रभास एक सुपरहीरो की भूमिका में नजर आने आ सकते हैं, जो परम शिव जैसा दिखता है।

प्रभास के जन्मदिन पर उठेगा पर्दा

इस बीच अब सोशल मीडिया पर चल रही ताजा चर्चा से संकेत मिला है कि प्रशांत वर्मा अभिनेता के साथ हाथ मिला सकते हैं। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि परियोजना की औपचारिक घोषणा प्रभास के जन्मदिन पर की जाएगी। प्रभास का जन्मदिन जो 23 अक्तूबर को है। खबर है कि प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स इस प्रोजेक्ट का निर्माण करेगा। प्रशांत वर्मा की एक्स पर नई क्रिप्टिक पोस्ट इन अफवाहों को और हवा दे रही है।

साई पल्लवी के साथ काम करना चाहते हैं मणिरत्नम

आगामी फिल्म अमरन के एक प्री रिलीज समारोह में निर्देशक मणिरत्न ने साई पल्लवी की तारीफ की है। मणिरत्न ने इस समारोह में अभिनेत्री साई पल्लवी से कहा कि वह आशा करते हैं कि उनके साथ काम करने का मौका उन्हें मिलेगा। शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी अभिनीत अमरन के प्री रिलीज इवेंट का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध फिल्म निर्माता लोकेश कनगराज और मणिरत्नम भी इस फिल्म में शामिल हुए। इस बातचीत के दौरान मणिरत्नम ने साई पल्लवी के साथ काम करने की इच्छा जताई।

जताई साई के साथ काम करने की इच्छा

मणिरत्नम ने साई पल्लवी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह उनके बहुत बड़े प्रशंसक हैं। निर्देशक ने कहा, मैं तुम्हारा बहुत बड़ा प्रशंसक हैं। मैं आशा करता हूं कि कभी मुझे भी तुम्हारे साथ काम करने का मौका मिलेगा। इसके बाद कार्यक्रम स्थल पर जोर से तालियां बजने लगीं। इसमें सबसे ज्यादा संख्या साई पल्लवी के प्रशंसक शामिल रहे।

साई पल्लवी ने दी प्रतिक्रिया

साई पल्लवी ने इस बात पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, सिनेमा में आने से पहले, मैं कई सारे निर्देशकों को नहीं जानती थी लेकिन मैं मणिरत्नम का नाम पहले से जानती थी। वह एक बड़ा कारण हैं, जिनके लिए मैंने अपनी स्क्रिप्ट और किरदारों को लेकर इतनी सजग रहती हूं।

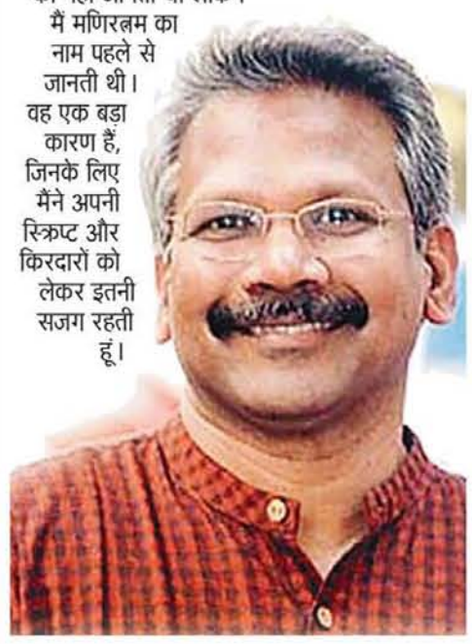

अब मुझे लग रहा है कि मैं सच में अपनी हैसियत से बाहर आ गया, फिल्मों में काम मेरा सपना

सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म और यूट्यूबर पर अपने अलग-अलग किरदारों के दम पर युवाओं के बीच पहचान बनाने वाले भुवन बाम इन दिनों अपनी वेब सीरीज़ ताजा खबर को लेकर चर्चा में हैं।

आप बीबी की वाइंस में सारे किरदार और बाकी काम खुद ही करते थे। लेकिन जब आपने ओटीटी पर ऐक्टिंग शुरू की तो आपको डायरेक्ट किसी और ने किया। वह अनुभव कैसा था?

वह मेरे लिए बहुत नया और अच्छा अनुभव था क्योंकि अभी तक तो मैं चारदीवारी में ही शूट करता था। मगर सेट पर तो 200 लोगों का क्रू मौजूद था। ऐसे में हाथ-पांव कांपने लगते हैं। शुरू के 10 दिन तो बिल्कुल मैं डर-डर कर ही उठता था कि आज किसके साथ शूट करना है। एक दिन मैं उठा तो मैंने पूछा कि आज रात का शूट है तो किसके साथ है! तो मुझे बताया गया कि महेश मांजरेकर सर के साथ है। तब मैंने कहा कि कौन-सा डायलॉग बोलना है, बता दो पहले ही। इतने लंबे-लंबे डायलॉग थे। मैंने सोचा कैसे होगा ये। लेकिन जब आपके पास सपोर्टिव लोग हों तो मुश्किल से मुश्किल चीज आसानी से हो जाती है। और सबसे मजे की बात ये है जो मैं गर्व से कहता हूं कि पूरे सेट पर उम्र में सबसे छोटा और काम में सबसे कम तजुर्बे वाला मैं ही था। इस बात पर मुझे गर्व है और सबसे ज्यादा मुझे सीखने को मिला।

दिल्ली में आपने काफी वक्त बिताया है। यहां रहने का अनुभव कैसा रहा?

दिल्ली में तो हर दिन एक एक्सपीरियंस ही है। मेरे साथ एक बहुत ही अच्छा और प्यारा किस्सा यहां हुआ है। एक इवेंट था, लोगों को पता नहीं था कि मैं वहां हूं लेकिन मेरा वहां परफॉर्मेंस था। वहां मेरा लास्ट एक्ट था। तो जब ऐक्ट खत्म हुआ तो सब मेरे साथ फोटो लेने लगे। एक अंकल जी भी मेरे साथ फोटो ले रहे थे। मैंने उनसे पूछा, आपको पता है कि मैं क्या करता हूं। तो वह कहने लगे कि नहीं, लेकिन आपके साथ फोटो खींचकर फेसबुक पर डालूंगा तो कोई ना कोई बता ही देगा कि आप क्या करते हो और कौन हो। तब मैंने कहा वाह जीनियस हो आप। उन्होंने बड़े स्मार्ट तरीके से जवाब दिया। मैं उस टाइम खूब हंसा। ऐसे बहुत से किस्से दिल्ली में होते रहते हैं।

आप ओटीटी के बाद क्या बड़े पर्दे की तरफ भी देख रहे हैं? क्या फिल्मों में भी आने का आपका प्लान है?

आपने बोल दिया है तो अब हो ही जाएगा। ये वरदान है मेरे लिए। पर सपना है, जैसे हर एक बच्चे को जिसे सिनेमा और ऐक्टिंग से प्यार है, उसका ये सपना होता है कि मैं भी खुद को एक बड़े पर्दे पर देखूं। वह मेरा भी सपना है और रहेगा। उसी की तरफ सारी एनर्जी लगी हुई है। ऐसा नहीं है कि मुझे बहुत जल्दबाजी है कि मुझे ये चाहिए ही चाहिए। मुझे चाहिए जरूर लेकिन सब्र से चाहिए। मैं ऐसा नहीं सोच रहा कि ये अभी चाहिए। मैं झपट्टा मारने की नहीं सोच रहा। मैं धीरे-धीरे एक रास्ता बना रहा हूं। उस रास्ते पर मुझे सिखाने वाले जावेद जाफरी सर हैं, मनोज मांजरेकर सर हैं, श्रिया पिलगांवकर हैं। धीरे-धीरे अपने दोस्तों और परिवार वालों, सबसे सीखकर मैं कभी ना कभी तो बड़े पर्दे पर आ ही जाऊंगा।

आप अपनी इस वेब सीरीज़ के दूसरे पार्ट के प्रड्यूसर भी हैं। इसके बारे में हमें बताएं।

हमने एक कोशिश की है। जिस तरह लोगों का प्यार मिला, उससे हमने कोशिश की है कि सीजन 2 उससे भी बेहतर बनाएं। शो में एक टैग लाइन है कि किधर जा रहे हैं हम लोग। औकात के बाहर। मेरे लिए तो हैसियत के बाहर जाने का मतलब ये है कि मैं सीजन 2 बना पाया। दूसरी बात, जिस इंसान (जावेद जाफरी) को मैं देख-देख कर बड़ा हुआ हूं, जो मेरा सबसे बड़ा आइकन है, वह आज मेरे साथ तो है ही, साथ ही उन्होंने सीजन 2 में काम करने के लिए भी हां कर दिया, वह मेरे लिए बड़ी बात है। अब मुझे लग रहा है कि मैं सच में अपनी हैसियत से बाहर आ गया हूं।

गंदगी मिलने पर दो सुपरवाइजर तथा दो सफाईकर्मियों की सेवाएं समाप्त

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. लोकेश एम ने निरीक्षण के दौरान शहर में गंदगी मिलने पर एक ठेकेदार पर ?5 लाख का जुर्माना लगाया है साथ ही दो सुपरवाइजर तथा दो सफाई कर्मियों की सेवा को भी समाप्त कर दिया है। सीईओ ने नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग के स्वास्थ्य निरीक्षक का भी एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉक्टर लोकेश एम ने नोएडा में निर्माण एवं सफाई कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न सेक्टर में घूम कर शहर की साफ सफाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रेटर नोएडा-नोएडा एक्सप्रेसवे की अधिकांश स्थलों पर सर्विस रोड पर घास उगी हुई पाई गई वहीं सेक्टर 105 एवं 108 के मध्य मार्ग की सेंट्रल वर्ज पर उन्होंने पेंटिंग कराई जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। सेक्टर-104 में एटीएस हैमलेट सोसायटी के सामने सर्विस रोड पर सीवर का पानी जमा होने पर उन्होंने नाराजगी जताई और सेक्टर-105 में सीएनजी पंप के निकट गंदगी पाए जाने पर न्यू मॉडल प्राइवेट लिमिटेड पर 5 लाख रूपये का जुर्माना लगाने तथा नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य निरीक्षक जन स्वास्थ्य (सैकेंड) राकेश कुमार का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सीओ ने प्राधिकरण द्वारा संचालित सभी सामुदायिक शौचालय एवं यूनियंस का संचालन विज्ञापन के माध्यम से कराए जाने के निर्देश दिए मेट्रो डीएससी रोड से सलारपुर तक के मार्ग पर गंदगी पाई जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई। सीईओ ने पराग डेरी चौराहे पर ग्राम ककराला के सामने गंदगी मिलने पर सेक्टर-80 में सफाई कार्य में लापरवाही करने वाले सुपरवाइजर मनोज कुमार एवं राहुल कुमार तथा सफाईकर्मी जसवंत और प्रमोद की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने सहायक परियोजना अभियंता (जन स्वास्थ्य-2) सुशील कुमार और अवर अभियंता (जन स्वास्थ्य-2) विकास शर्मा का वेतन रोके जाने के निर्देश दिए।

सीईओ ने सेक्टर-105 107 एवं 108 के तिराहे का विकास करने, सेक्टर-81, 107, 110 में ओवरफ्लो सीवर की समस्या का निस्तारण करने सेक्टर 110 में स्थापित वेंडिंग जोन को उचित प्रकार से स्थापित करने तथा सेक्टर-82 में सिटी बस टर्मिनल के सामने खाली जगह को पार्क के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए उन्होंने सेक्टर 79 में सिंचाई नाले के साथ बसी हुई झुग्गियों को तुरंत हटाने के निर्देश भी दिए।

जिले के ब्लैक स्पॉट पर रखें नजर: डीएम

गौतमबुद्धनगर। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर शत-प्रतिशत अंकुश लगाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु दर को कम करने तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट के सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। उन्होंने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जन सामान्य को यातायात नियमों का अधिक से अधिक पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सड़क सुरक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। सड़क सुरक्षा को समस्त सम्बन्धित विभागीय अधिकारी गम्भीरता से लेते हुये आपसी सांमजस्य स्थापित कर निरन्तर अपनी-अपनी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग और यातायात पुलिस, तीनों अथॉरिटी सहित संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उनके द्वारा जनपद में बस, टेंपो एवं टैक्सी स्टैंड के निर्माण के लिए गंभीरता के साथ कार्रवाई करते हुए स्थलों को चिन्हित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि अवैध स्टैंड, अतिक्रमण पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने परिवहन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को कहा कि उनके द्वारा नियमित रूप से अभियान चलाकर अवैध स्टैंड, अवैध पार्किंग, ओवरस्पीड, ओवरलोड वाहन एवं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करें।

जनपद में जो भी ब्लैक स्पॉट बने हुये है, उनमें अधिकारी आपसी सांमजस्य स्थापित कर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करते हुये जनपद में बनाये गये अवैध कट, व 29 दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र (ब्लैक स्पॉट) को अल्प कालिक/ दीर्घ कालिक सुधार कर उनकी संख्या कम करने की दिशा में अपनी-अपनी कार्यवाही ससमय पूर्ण करें।

बैठक में डीसीपी ट्रैफिक यमुना प्रसाद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ उदित नारायण पांडेय, डॉ सियाराम वर्मा, विपिन चौधरी, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग , जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह, एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक व अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों और बस ट्रक यूनियन व गैर सरकारी संगठनों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एमिटी में 'तहजीब और त्यौहार' पर कार्यशाला

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी फिनिशिंग स्कूल द्वारा छात्रों को पारंपरिक स्टाइलिंग, मेकअप और टेबल सजावट सहित भोजन शिष्टाचार की जानकारी प्रदान करने के लिए ''तहजीब और त्यौहार - एक उददेश्य के साथ उत्सव '' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम कें अंतर्गत प्रसिद्ध सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट सुश्री इजा सेतिया द्वारा मेकअप कार्यशाला कर जरूरी टिप्स दिए गए।

इस अवसर पर एमिटी फिनिशिंग स्कूल की उपाध्यक्ष सुश्री जयश्री चौहान और एमिटी फिनिशिंग स्कूल की उप निदेशक डा इशानी सारस्वत ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रसिद्ध सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट सुश्री इजा सेतिया द्वारा मेकअप कार्यशाला में कहा कि इस कार्यशाला में आपकों कम उत्पादों की सहायता से कम समय में कार्यालय व संस्थानों के लिए तैयार होने की जानकारी प्रदान करना है। सुश्री सेतिया ने कहा कि त्वचा को अच्छे गुणवत्ता पूर्ण क्लिरन्स से साफ करना बेहद महत्वपूर्ण है। मॉस्चराइजर को इस्तेमाल चेहरे पर करें और उसका उपयोग गर्दन पर करना ना भूलें जो कि अक्सर लोग भूल जाते है।

एमिटी फिनिशिंग स्कूल की उपाध्यक्ष सुश्री जयश्री चौहान ने कहा कि भारत के सबसे बड़े पारंपरिक त्यौहार दिवाली में तैयार होने, मेकअप करने आदि की जानकारी बेहद जरूरी होती है ऐसे में अगर हमें स्वंय को जानकारी हो तो कार्यो को अधिक सुगमता पूर्वक कर सकते है। इस कार्यशाला से होने वाली आय को जरूरततमंदों को दान में दी जायेगी।

इस अवसर पर एमिटी फिनिशिंग स्कूल की प्रशिक्षक सुश्री सरीना भारद्वाज द्वारा ''इथनिक स्टाइलिंग'' कार्यशाला के अंर्तगत इंडो फ्यूजन स्टाइलिंग सत्र में इथनिक गहनों व वस्त्रों की मैचिंग और उसके पहनने समेत जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर उत्सव की खरीददारी के लिए कार्यक्रम स्थल के पास उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया।

एफसीआई मजदूरों का अनिश्चितकालीन धरना, 6 श्रमिक भूख हड़ताल पर

नोएडा सेक्टर 24 में दलित सेना उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सच्चिदानंद साधु ने जानकारी दी कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से हटाए गए श्रमिकों की बहाली के लिए सेक्टर-24, नोएडा स्थित एफसीआई जनरल ऑफिस के बाहर 30 सितंबर 2024 से अनिश्चितकालीन धरना जारी है। इस धरने का नेतृत्व दलित सेना उत्तर प्रदेश कर रही है।

गोंडा स्थित एफसीआई गोदाम से 456 और शाहजहांपुर के रोजा डिपो से 250 श्रमिकों को कई वर्ष पहले हटा दिया गया था। इन श्रमिकों के पुनर्नियोजन के लिए श्रमिकों ने पहले भी कई बार प्रदर्शन किए, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। 6 अगस्त 2024 को किए गए धरने के बाद भी एफसीआई प्रबंधन ने 1 महीने का समय मांगा था, लेकिन उसके बाद भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

गोंडा डिपो के 456 और रोजा शाहजहांपुर डिपो के 250 श्रमिकों को 23 अप्रैल 2010 की अधिसूचना के तहत ड्यूटी से हटा दिया गया था। हालांकि 15 अक्टूबर 2020 को मुख्यालय ने 180 श्रमिकों के परिचय पत्र जमा करवाए थे और उन्हें मौखिक रूप से अवकाश पर भेजा गया था, मगर अभी तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया।

सच्चिदानंद साधु ने बताया कि श्रमिकों ने दो महीने के इंतजार के बाद 7 अक्टूबर 2024 से भूख हड़ताल शुरू की है। भूख हड़ताल पर बैठने वाले श्रमिकों में बच्चा बाबू यादव, राकेश कुमार, सकलदेव पासवान, सत्यनाम, राजकुमार और इरशाद अहमद शामिल हैं।

बासुदेवा नन्द सरस्वती का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-110 स्थित महर्षि महेश योगी संस्थान के परिसर में 21 अक्टूबर 2024 को 4 बजे से ज्योतिष पीठाधीश्वर जगत गुरु शंकराचार्य स्वामी बासुदेवा नन्द सरस्वती महाराज, बद्रिकाश्रम जी का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महेश योगी संस्थान के वैदिक पंडितों द्वारा गुरु पूजन के साथ शंकराचार्य स्वामी श्री बासुदेवा नन्द सरस्वती जी की दीर्घायु होने की कामना की गयी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ए.के.लाल ने दी।

महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव गुरु पूजन में उपस्थित रहे। अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने ज्योतिष पीठाधीश्वर जगत गुरु शंकराचार्य स्वामी बासुदेवा नन्द सरस्वती महाराज, बद्रिकाश्रम जी को अवतरण दिवस की शुभकामनाएं दी। शंकराचार्य स्वामी बासुदेवा नन्द सरस्वती महाराज, बद्रिकाश्रम जी ने महर्षि महेश योगी संस्थान के अध्यक्ष और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव को शुभाशीष एवं दीर्घायु होने का आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी संस्थान के रामेंद्र सचान, यादवेंद्र यादव, शिशिरकांत श्रीवास्तव, विनीत श्रीवास्तव, ललन पाठक, विनोद श्रीवास्तव, शिशुपाल सिंह यादव, राजेंद्र शुक्ला, त्रिभुवन तिवारी, प्रभात गोस्वामी श्रीकांत ओझा, संजय सिन्हा, एसपी गर्ग, राजेंद्र खंतवाल सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

दादरी तहसील में भ्रष्टाचार का नायाब नमूना

गढ़ी-चौखंडी में 8 बीघा जमीन का फर्जी बैनामा, एक हफ्ते में कर दिया दाखिल खारिज

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के फेस-3 थाना क्षेत्र के तहत गढ़ी चौखंडी गांव में फर्जी तरीके से आठ बीघा जमीन की रजिस्ट्री तथा दाखिल खारिज किए जाने का बड़ा मामला प्रकाश में आया है। इस जमीन की बाजारी कीमत करीब 80 करोड रुपए बताई जाती है।

गढ़ी चौखंडी गांव के निवासी तथा सीएजी विभाग से सेवानिवृत राजपत्रित अधिकारी रतनपाल सिंह यादव ने नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में इस फर्जीवाड़ा का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि गढ़ी चौखंडी के खसरा संख्या 115 में उनके परिवार की दादा लाई जमीन है तथा सैकड़ो साल से उनका पुश्तैनी कब्जा है। कुछ भूमाफियाओं ने मेरे सगे भतीजे प्रमोद यादव व विनोद यादव पुत्र स्वर्गीय नानक चंद्र यादव की आठ बीघा जमीन के कूट रचित फर्जी अभिलेख तैयार करके 16 लोगों के नाम बैनामा कर दिया है। उन्होंने बताया कि यह बैनामा मामूरा गांव के महेश कुमार पुत्र सूरते सिंह विशाल चौहान पुत्र महेश कुमार विकास चौहान पुत्र महेश कुमार योगेंद्र कुमार पुत्र सूरते सिंह निखिल चौहान पुत्र योगेंद्र कुमार चौहान दिल्ली निवासी सुरेंद्र कुमार पुत्र भोले राम गीता देवी पत्नी गोलू राम श्याम सलोनी पुत्र राम लखन निवासी गढ़वाली रविंद्र कुमार पुत्र प्रीतम युद्धवीर पुत्र विजयपाल निवासी रायपुर खादर सेक्टर 126 नोएडा प्रवीण यादव पुत्र महेश यादव निवासी बुलंदशहर अशोक यादव पुत्र महेश यादव निवासी बुलंदशहर मोदी राम पुत्र कबीर सिंह गाजियाबाद के नाम फर्जी बैनाना किए गए हैं। रतनपाल यादव ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2023 में जब उन्हें इस मामले की जानकारी हुई तो उन्होने उप जिला अधिकारी दादरी तथा पुलिस आयुक्त को लिखित में शिकायत दी तथा फर्जी बैनामा करके जमीन हड़पने वालों के खिलाफ 21 फरवरी 2024 को थाना फेज तीन में एफआईआर भी दर्ज की गई परंतु अभी तक पुलिस द्वारा सभी नामजद आरोपियों में से किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है।